हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 29 : जौनपुर, सोमवार 23 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

नवरात्र की अष्टमी पर आस्था का उमड़ा रेला

मिर्जापुर (एजेंसी)। यूपी मिर्जापुर जिले में शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि पर महागौरी स्वरूप मां विंध्यवासिनी के दर्शन को विंध्याचल धाम में आस्था का संगम दिखा। भक्तों ने दर्शन–पूजन कर पुण्य की कामना की। मंगला आरती के बाद भक्तों के दर्शन–पूजन का सिलसिला शुरू हुआ, जो अनवरत जारी है। अष्टभुजा और कालीखोह मंदिरों में भी अन्य दिनों की अपेक्षा बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मंदिरों में मत्था टेकने के बाद भक्त त्रिकोण परिक्रमा को निकल रहे हैं। सुबह 10 बजे तक दो लाख से अधिक भक्तों ने श्रद्धा भाव से माता के धाम में शीश झुकाकर सुख–समृद्धि की कामना की। गुड़हल, गुलाब और कमल के पुष्पों से मां का श्रृंगार किया गया। भव्य श्रृंगार देख श्रद्धालु निहाल हो उठे। घंटा, शंख, नगाड़ा और माता के जयकारे से मंदिर में चारों दिशाएं गुंजायमान है। गंगा घाटों पर स्नान करने के बाद मां के दरबार में पहुंचे भक्तजनों ने बड़े ही भक्ति भाव से दर्शन–पूजन किया। मंदिर पहुंचने के बाद कोई गर्भगृह से तो कोई झांकी से माता के भव्य स्वरूप का दीदार किया।

सीएम योगी ने हरी झंडी दिखाकर 51 बसों को रवाना किया, चालक–परिचालक महिलाएं होंगी

अयोध्या (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी परिवहन निगम प्रदेश के अंदर परिवहन की रीढ़ माना जाता है। देश 15 अगस्त 1947 को आजाद होता है लेकिन निगम की पहली बस मई 1947 में चल चुकी थी। तबसे परिवहन निगम ने लंबी दूरी को तय की है। बचपन में परिवहन का एकमात्र साधन यूपी परिवहन निगम हुआ करता था। गांव हो या शहर, लोग बसों से चलते थे। ज्यादातर लोगों ने परिवहन निगम की बसों में आवागमन कर बचपन व्यतीत किया। यह हमें जोड़ने का काम करती रही। अब परिवहन निगम नई प्रगति व कार्य करते हुए बढ़ रहा है। अब बस स्टेशन भी एयरपोर्ट की तरह बनेंगे। इस पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति अभियान के तहत रविवार को अयोध्या के सरयू अतिथि गृह, रामकथा पार्क में श्मिशन महिला सारथीश का शुभारंभ किया और हरी झंडी दिखाकर 51 साधारण बसों (बीएस 6) को रवाना किया। इन बसों में चालक व परिचालक का कार्य महिलाओं द्वारा ही संचालित किया जाएगा। इस दौरान लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। सीएम ने कहा कि शारदीय नवरात्रि की आज अष्टमी तिथि है। आठवें रूप में आज मां गौरी का अनुष्ठान कर रहे हैं। माना जाता था कि महिलाएं यह काम नहीं कर सकतीं पर इससे उपयुक्त अवसर नहीं हो सकता, जब महाअष्टमी की तिथि को मिशन शक्ति के साथ जोड़कर मिशन महिला सारथी को लांच करने के साथ–साथ उन्हें महिला चालक व परिचालकों को इससे जोड़ा जा रहा है। आज 51 बसें प्रदेश के अलग–अलग जगहों के लिए चलेंगी, इनमें चालक व परिचालक महिलाएं होंगी। सीएम ने कहा कि पहले बसों में खामियां होती थीं। अब धीरे–धीरे तकनीक का प्रयोग किया गया। अब वह डीजल से इलेक्ट्रिक बसों की तरफ भी जा रहे हैं। परिवहन निगम व अनुबंध में भी बहुत बड़ा बेड़ा इलेक्ट्रिक बसों का होगा। इसमें न प्रदूषण होगा, न आवाज और स्पीड भी सामान्य बसों से अच्छी होगी। हमने शासन से 400 करोड़ रुपये दिया है। 25 महाकुंभ की दृष्टि से अभी कई बसें खरीदी जानी हैं। अच्छी इलेक्ट्रिक बसें आएंगी। अच्छी कनेक्टिविटी के लिए यूपी सरकार ने ईवी पॉलिसी बनाई है। इलेक्ट्रिक बसों में डीजल–पेट्रोल व सीएनजी नहीं लगता। बिजली से चार्ज होंगी। एक बार में 300 किमी. चल सकती हैं। ऐसी बसें खरीदने वाले व्यक्ति को सरकार प्रति बस के लिए 20 लाख रुपये इंसेंटिव देगी। स्कूल–कॉलेज, परिवहन निगम में अनुबंध, सिटी बस सेवा के लिए आप बस खरीदिए, सरकार रूट व सुविधा भी उपलब्ध कराएगी। नगर विकास व परिवहन निगम जगह–जगह चार्जिंग स्टेशन तैयार कर रहा है। इससे हम प्रदूषण से मुक्त व्यवस्था आमजन को दे पाएंगे। सीएम ने कहा कि कुछ दिनों बाद यूपी में इलेक्ट्रिक बसों का निर्माण शुरू होगा, तब यूपी के लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षण होगा।

गोरखपुर में 125 कंपनियों ने खोले रोजगार के द्वार, सीएम योगी बोले- यूपी बनेगा देश में मिशाल

गोरखपुर (एजेंसी)। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले वृहद रोजगार मेले की शुरुआत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में हो गया है। स्थानीय से लेकर बहुराष्ट्रीय स्तर तक की 125 कंपनियां युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खोल रही हैं। इस दौरान योगी सरकार के मिशन रोजगार के अंतर्गत रविवार को गोरखपुर में श्ऑन द स्पॉट जॉब मेगा इवेंटश का नजारा देखने को मिला। सीएम योगी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश में डबल इंजन की सरकार है। भाजपा सरकार में लोगों को न्याय, विकास और रोजगार तीनों मिल रहा है। यूपी में भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार प्रदान कर रही है। इससे पूरे देश भर में यूपी का कद और ऊंचा हो जाएगा। रोजगार मेले में इन कंपनियों में 33,843 रिक्तियों पर भर्ती करने को मेला परिसर में कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। कुछ चुनिंदा युवाओं का नियुक्ति पत्र वितरण सीएम योगी के हाथों होगा। यही नहीं इस वृहद रोजगार मेले में स्वरोजगार को भी पंख लगेंगे। आयोजन को लेकर जिला प्रशासन, सेवायोजन कार्यालय, कौशल विकास विभाग, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र ने मिलकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। वृहद रोजगार मेला के अंतर्गत पीएम स्वनिधि योजना पीएम विश्वकर्मा योजना किसान क्रेडिट कार्ड योजना एवं ओडी ओपी कार्यक्रम के लाभार्थियों को बैंक ऑफ बड़ौदा के माध्यम से 500 करोड़ का ऋण वितरण श्रम एवं सेवा आयोजन विभाग उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण ।

हमास आतंकियों के पीछे पड़ा इजरायल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। हमास का खत्म करने के लिए इसराइल पूरी तरीके से तैयार है। गाजा के हमास को खत्म करने के उद्देश्य से इजरायल ने फूल प्रूफ रणनीति तैयार कर ली है। इसराइल जानता है कि हमास से लड़ाई अभी लंबी चलने वाली है क्योंकि हमास के पास इजरायल के 200 से अधिक बंधक है। इस लड़ाई में इसराइल को दोहरा मुकाबला करना है जिसमें उसे एक तरफ हमास के आतंकियों से मुकाबला करना है वही आतंकी संगठन हिजबुल्लाह से भी लड़ाई लड़नी है। हिज्बुल्लाह लगातार लेबनान की ओर से हमला करने में जुटा हुआ है। वही आतंकी संगठन को जवाब देने के लिए इजरायल की सेना सीमा के पास देती हुई है। सीमा पर इजरायल के टैंक और जवान लगातार मुस्तैद है। इजरायल की सेना सीमा पर इसलिए मुस्तैद है ताकि अगर जमीन पर युद्ध शुरू हुआ तो हमास और हिजबुल्ला को जवाब दिया जा सके।

इस्राइल ने बनाई एक नई सुरक्षा एजेंसी हमास के नुखवा को मारने का दिया टास्क

जानकारी के मुताबिक इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने निली नाम की एक एजेंसी का गठन किया है जो चुनिंदा टीम के साथ तैयार की गई है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। हमास के आतंकियों की ओर से इस्राइल पर किए गए हमले में दुनिया की सबसे ताकतवर एजेंसी के तौर पर जानी जाने वाली मोसाद और शिन बेट पर तमाम तरह के सवालिया निशान लगने लगे। माना यही जाने लगा कि इन खुफिया एजेंसियों की नाकामी के चलते ही हमास के आतंकियों ने यह सबसे बड़ा हमला कर दिया। फिलहाल अपने ऊपर हुए अब तक के सबसे बड़े हमले के बाद इजरायल ने हमास के आतंकियों को खत्म करने के लिए एक नई एजेंसी षनिलीष का गठन कर दिया है। इसी हफ्ते हुए इस नई सुरक्षा एजेंसी के गठन के बाद इसके सदस्यों को जो टारगेट दिया गया है वह इस्राइल पर हमला करने वाले प्रत्येक हमास के आतंकी नुखवा (हमास के सैनिक कमांडो, ।जो आतंकी हमले में शामिल थे) को खत्म करने का है। सुरक्षा मामलों से जुड़े जानकारों का मानना है कि यह एजेंसी सबसे बड़ी ताकत के साथ अपने टारगेट को भेदने की तैयारी में लग गई है। जानकारी के मुताबिक इजरायल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने निली नाम की एक एजेंसी का गठन किया है। यह एजेंसी इसराइल डिफेंस फोर्स समेत तमाम अन्य खुफिया एजेंसी और फील्ड शोल्जरों की चुनिंदा टीम के साथ तैयार की गई है। जानकारों का कहना है कि इस एजेंसी का लक्ष्य सबसे कठिन बनाया गया है। रक्षा मामलों के जानकार ब्रिगेडियर देवेंद्र साहा कहते हैं कि अभी तक की मिली जानकारी के मुताबिक यह एजेंसी हमास के नुखवा को टारगेट करने के लिए तैयार की गई है। उनका कहना है कि आतंकी संगठन हमास के सैन्य कमांडो, जो की दो सप्ताह पहले इस्राइल के हिस्से में घुसे और फिर आतंक बरपाया था, वही लोग हैं। इन सभी लोगों की पहचान कर एक–एक व्यक्ति को करने का सबसे कठिन टास्क शिन बेट ने निली को दिया है। जानकारी के मुताबिक निली के पास प्रत्येक आतंकी का डाटा पहुंच चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि जो टास्क निली को दिया गया है उससे पहले इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद और आंतरिक सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने इसके लिए न सिर्फ महत्वपूर्ण एक्सरसाइज की है बल्कि एक स्पेसिफिक टास्क तैयार करके बड़े ऑपरेशन को पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी है। रक्षा मामलों के जानकार और विशेषज्ञों का कहना है कि इस्राइल ने इस तरह की यह पहली एजेंसी तैयार की है जो एक तरह से क्विक रिस्पांस टीम के तौर काम करने वाली है। जिसका सिर्फ एक ही टारगेट है और वह है हमास के मुखवा के प्रत्येक आतंकी को मौत के घाट उतारना। विशेषज्ञों का कहना है कि इस्राइल को यह नई सुरक्षा एजेंसी सिर्फ इसलिए बनानी पड़ी ताकि वह अपने दुश्मन के लक्ष्य तक निर्बाध रूप से पहुंच सके।

तेलंगाना के लिए भाजपा की सूची जारी, लिस्ट में 52 उम्मीदवारों का एलान

हैदराबाद (एजेन्सी)। तेलंगाना के लिए भाजपा की सूची जारी हुई है। इस लिस्ट में 52 उम्मीदवारों का एलान किया गया है। तेलंगाना भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और सासंद बंदी संजय कुमार को पार्टी ने करीमनगर सीट से उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के खिलाफ अपने विधायक इटाला राजेन्द्र को उम्मीदवार बनाया है, जबकि तेलंगाना इकाई के पूर्व अध्यक्ष बंदी संजय कुमार समेत अपने तीन सांसदों को भी विधानसभा चुनाव के मैदान में उतारा है। राजेन्द्र ने केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष मुख्यमंत्री के खिलाफ चुनाव लड़ने की पहले ही इच्छा जताई थी। पार्टी ने तेलंगाना इकाई के पूर्व अध्यक्ष व करीमनगर से सांसद बंदी संजय कुमार को करीमनगर विधानसभा क्षेत्र से, निजामाबाद के सांसद अरविंद धर्मापुरी को कोराटला विधानसभा क्षेत्र से और आदिलाबाद के सांसद सोयम बाबू राव को बोआथ विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। वहीं, इटाला राजेंद्र सिंह को हुजुराबाद और गजवेल की दो सीटों से उतारा गया है। पार्टी ने 12 महिलाओं को उम्मीवार बनाया है। भाजपा ने अपने हिंदूवादी नेता टी राजा सिंह का निलंबन रद्द करने के बाद उनकी गौशमहल सीट से उन्हें मैदान में उतारा है। राजा सिंह को एक सोशल मीडिया मंच पर अपलोड किए गए ।

एजेंसियों ने गाजा में सहायता पहुंचने का स्वागत किया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। संयुक्त राष्ट्र के नेताओं और एजेंसियों ने मिस्र से राफा सीमा पार कर गाजा में मानवीय सहायता पहुंचने का स्वागत करते हुए कहा कि यह केवल एक छोटी सी शुरुआत है। उन्होंने इस दौरान अपनी तत्काल युद्धविराम के लिए की गई अपील को भी दोहराया। इजिप्शियन रेड क्रिसेंट सोसाइटी के 20 ट्रकों के काफिले ने मानवीय आपूर्ति के साथ गाजा में प्रवेश किया। यह पहली खेप है जो सात अक्टूबर को इजराइल पर फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के हमलों के बाद शुरू हुए युद्ध के बाद गाजा पहुंची है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने शनिवार को कहा, मैं, इस संबंध में मिस्र के प्रति गहरा आभार व्यक्त करता हूं। लेकिन गाजा को इससे बहुत अधिक चाहिए, उन्हें आवश्यक पैमाने पर मानवीय सहायता की निरंतर आपूर्ति की आवश्यकता है।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने सराय काले खां फ्लाईओवर का किया उद्घाटन

सीएम केजरीवाल ने इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सराय काले खान में 620 मीटर का फ्लाई ओवर बना है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को सराय काले खां के टी जंक्शन पर एक और फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने आश्रम अंडरपास बनाया और फिर उन्होंने आश्रम फ्लाईओवर का विस्तार बनाया। आजादी के बाद से दिल्ली में 102 फ्लाईओवर या अंडरपास बनाए गए हैं और पिछले आठ वर्षों में आम आदमी पार्टी द्वारा 30 फ्लाईओवर या अंडरपास बनाए गए हैं। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने निर्माण भी कराया साथ ही पैसा भी बचाया। सराय काले खां फ्लाईओवर को लेकर सीएम केजरीवाल ने कहा कि इस फ्लाईओवर से लोगों को बहुत फायदा होने वाला है। इससे टी जंक्शन पर ट्रैफिक जाम कम करने में मदद मिलेगी। यह 620 मीटर लंबा फ्लाईओवर है। इस प्रोजेक्ट के लिए 66 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी। केजरीवाल ने कहा कि जब से उन्होंने दिल्ली में सरकार बनाई है, उन्होंने हर प्रोजेक्ट में पैसा बचाया है। इसी तरह इस प्रोजेक्ट में भी उन्होंने 66 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे, लेकिन इसे 50 करोड़ रुपये में पूरा कर लिया। इससे उन लोगों को सुविधा होगी, जो आईटीओ से आश्रम तक यात्रा करते हैं। सीएम ने कहा, देशभर में ऐसे कामों में स्टीमेट से ज्यादा पैसे खर्च होते हैं. दिल्ली में ही रानी झांसी फ्लाइओवर 30–40 करोड़ में बनना शुरू हुआ था लेकिन डेढ़ सौ करोड़ में बनकर पूरा हुआ, लेकिन हमारी सरकार में हम हर काम में पैसे बचाते हैं. हमने जो 30 फ्लाइओवर बनाए हैं, उनमें 557 करोड़ बचाए हैं. यह तो गिनीज बुक में आना चाहिए. सीएम अरविंद केजरीवाल ने रविवार को सराय काले खां फ्लाईओवर एक्सटेंशन का उद्घाटन किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज से सराय काले खां फ्लाईओवर एक्सटेंशन शुरू हो जाने लोगों को जाम से छुटकारा मिलेगा. उन्होंने कहाध् कि हमारी सरकार तेजी विकास कार्यों पर जोर दे रही है. । सीएम केजरीवाल ने इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सराय काले खान में 620 मीटर का फ्लाई ओवर बना है. इसके लिए 66 करोड़ का बजट आवंटित किया गया था, लेकिन यह काम 50 करोड़ में काम पूरा हुआ. इसके निर्माण से आईटीओ से आश्रम की तरफ आने वाले लोगों को राहत मिलेगी. पहले आश्रम में घंटों तक जाम लगते थे, लेकिन अब इसके बनाने के बाद चंदगीराम से आगे धौला कुआं सबवे में रास्ता साफ रहेगा. सीएम ने कहा कि आश्रम पर पहले बहुत जाम लगता था लेकिन अब पांच मिनट भी नहीं रुकना पड़ेगा. चंदगी राम अखाड़े से आश्रम, मूलचंद, धौला कुआं तक कोई रेड लाइट नहीं है. पूरी रिंग रोड अब रेड लाइट फ्री हो गई है। हम जाम वाले हर इलाके की स्टडी कर रहे हैं कि कैस जाम मुक्त बनाया जा सकता है. आजादी के बाद के 75 साल में दिल्ली में 102 फ्लाइओवर और अंडर पास बने हैं।

इजराइल और हमास के युद्ध में हमारी अहम भूमिका है : हिजबुल्ला अधिकारी

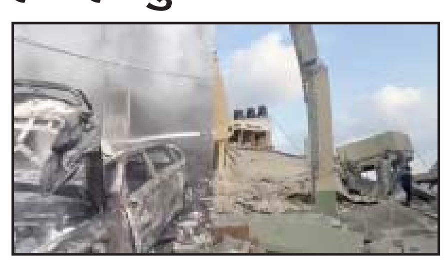

नई दिल्ली (एजेन्सी)। लेबनान के चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला ने कहा है कि इजराइल और हमास के युद्ध में उसकी ''अहम भूमिका'' है और यदि इजराइल गाजा पट्टी पर जमीनी हमले शुरू करता है, तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। हिजबुल्ला के उपनेता शेख नईम कासिम का यह बयान उस वक्त आया जब इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में बमबारी तथा ड्रोन से हमले किए और हिजबुल्ला ने इजराइल की ओर रॉकेट और मिसाइलें दागीं। हिजबुल्ला ने कहा कि हमले में शनिवार को उसके छह लड़ाके मारे गए जो दो सप्ताह पहले शुरू हुए युद्ध के बाद एक दिन में मारे गए लोगों की सबसे बड़ी संख्या है। कासिम ने कहा कि लेबनान–इजराइल सीमा पर तनाव पैदा करने का हिजबुल्ला के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य है। उसने कहा, हम इजराइली दुश्मन को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें बता रहें है कि हम तैयार हैं। हमास ने कहा है कि अगर इजराइल गाजा में जमीनी हमले शुरू करता है तो हिजबुल्ला युद्ध में शामिल हो जाएगा। हमास के आतंकवादियों द्वारा दक्षिणी इजराइल के शहरों पर सात अक्टूबर को हमले किए जाने के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी की घेराबंदी कर दी और कई जवाबी हवाई हमले किए।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भाजपा को घेरा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी हमेशा चुनाव प्रचार में व्यस्त रहते हैं। जब देश में उनके खिलाफ माहौल बन रहा है तो वह विज्ञापन जारी करते हैं। मैं देख रहा हूं कि किसी योजना के प्रचार के लिए अफसरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वह किसी को नहीं छोड़ रहे हैं। वह सभी से कह रहे हैं कि सभी रथ यात्रा निकालकर लोगों को सरकार के कामों के बारे में बताएं। यह कदम लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए है और यह ठीक नहीं है। हम इसकी निंदा करते हैं और इसी लिए हमने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि चुनाव का माहौल उनके पक्ष में है और हम सभी पांचों राज्यों में जीत दर्ज करेंगे। आज की ये स्थिति है लेकिन हर कोई कोशिश कर रहा है।

तूफानी रफ्तार के साथ सफर कराएगी नमो भारत ट्रेन यानी रैपिड रेल

आरआरटीएस 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से एक नयी रेल आधारित, उच्च गति, उच्च आवृत्ति के साथ क्षेत्रीय यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली प्रणाली है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। नमो भारत ट्रेन यानी रैपिड रेल की सौगात देश को मिल चुकी है। बीती 20 अक्टूबर को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ कॉरिडोर पर भारत के पहले श्रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टमश की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली 'सेमी–हाई–स्पीड' रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है। इसी के साथ पहले सेक्शन का उद्घाटन हो गया है जो कुल 17 किमी लंबा है। साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच प्राथमिकता वाले खंड में पांच स्टेशन हैं – साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो स्टेशन है। रैपिड रेल के लिए यात्री सेवाएं 21 अक्टूबर को सुबह शुरू हो गई है। रैपिड ट्रेन सुबह छह बजे से रात 11 बजे तक चलेंगी। प्रारंभ में हर 15 मिनट पर ट्रेन उपलब्ध होगी लेकिन आगामी भविष्य में यात्रियों की संख्या को देखते हुए ट्रेन के फेरे बढ़ाये जा सकते हैं।'' बता दें कि आरआरटीएस 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से एक नयी रेल आधारित, उच्च गति, उच्च आवृत्ति के साथ क्षेत्रीय यात्रा की सुविधा प्रदान करने वाली प्रणाली है। रैपिड ट्रेन की रफ्तार 160 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है। आरआरटीएस दिल्ली–गाजियाबाद– मेरठ गलियारे का शिलान्यास आठ मार्च, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। पूरा 82.15 किलोमीटर गलियारा जून 2025 तक चालू हो जाने का लक्ष्य है। इस पूरे कॉरिडोर के चालू होने पर दिल्ली और मेरठ के बीच सफर एक घंटे से भी कम समय में तय हो जाएगा। फिलहाल सड़क मार्च से दिल्ली से मेरठ पहुंचने में तीन से चार घंटे लगते हैं। वहीं रैपिड रेल की शुरुआत होने के बाद मेरठ से दिल्ली तक का सफर बेहद आसान और सुगम हो गया है। घंटों तक का सफर तय कर लोगों को दिल्ली नहीं पहुंचना पड़ेगा, बल्कि कई किलोमीटर लंबा सफर कुछ मिनटों में ही तय हो जाएगा। आपको बताते हैं कि अभी जिस रूट पर इसका संचालन शुरू हुआ है वहां कितना किराया देना होगा। बता दें कि अभी रैपिड रेल दिल्ली–मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर पर अभी पांच स्टेशनों के बीच दौड़ेगी, जिसमें जिसमें साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई और दुहाई डिपो स्टेशन पर संचालन शुरू हुआ है। साहिबाबाद से दुहाई डिपो स्टेशन तक का रास्ता 17 किलोमीटर तक का है। बता दें कि साहिबाबाद से दुहाई डिपो जाने में 30 से 35 मिनट लगते है जबकि रैपिड रेल से ये सफर सिर्फ 12 मिनट में पूरा होगा। रैपिडएक्स ट्रेन में दो कैटेगरी में सफर हो सकेगा। इसमें एक स्टैंडर्ड कैटेगरी है जिसमें किराए की शुरुआत 20 रुपये से होगी। वहीं दूसरी प्रीमियम क्लास है जिसमें न्यूनतम किराया 40 रुपये रखा गया है। साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक स्टैंडर्ड क्लास में यात्रा करने वाले यात्रियों को 50 रुपये का टिकट खरीदना होगा।

दीया कुमारी ने राजस्थान की महिला पीड़ितों से मुलाकात नहीं करने पर प्रियंका गांधी की आलोचना की

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राजस्थान में इन दिनों चुनावी माहौल चरम पर है। बीजेपी की विद्याधर नगर सीट से उम्मीदवार और राजसमंद से सांसद दीया कुमारी ने हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो पार्टी की वरिष्ठ सदस्य का श्बहुत सम्मानश करती हैं। उन्होंने कहा कि वसुंधरा ही उन्हें पार्टी में लाई थी। दीया कुमारी ने विपक्ष पर पूर्व बीजेपी प्रमुख के साथ उनकी कथित प्रतिद्वंद्विता की अफवाहें पैदा करने का आरोप लगाया। जयपुर के शाही परिवार से ताल्लुक रखने वाली दीया कुमारी इन दिनों प्रचार अभियान में बेहद व्यस्त है। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरी वसुन्धरा राजे से कोई प्रतिद्वंद्विता नहीं है। यह सब विपक्ष द्वारा शुरू की गई अफवाहें है बल्कि मैं उनका बहुत सम्मान करती हूं। वसुंधरा ही मुझे पार्टी में लेकर आई थी। वसुंधरा राजे को अपना गुरु बताते हुए उन्होंने कहा कि मेरे राजनीति में आने से पहले से ही हम उनके परिवार को जानते हैं। वसुंधरा राजे की उत्तराधिकारी के तौर पर देखे जाने को लेकर उन्होंने कहा कि इस पर पूरा फैसला संसदीय बोर्ड का होगा। वहीं कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी को अपना ख्याल अधिक रखना चाहिए क्योंकि ये जरुरी है।

सम्पादकीय

मप्र, छत्तीसगढ़ टिकटों के झंझट से लगभग मुक्त, राजस्थान में सूखा

चुनावों में टिकटों का बाजार गर्म है। छत्तीसगढ़ लगभग इस मान से पूरा हो चुका है। मध्यप्रदेश भी लगभग इसी कतार में चल रहा है, लेकिन राजस्थान में अब तक सूखा पड़ा हुआ है। शायद इसलिए कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की बजाय राजस्थान के चुनाव बाद में हैं। छत्तीसगढ़ में तो पहला चरण 7 नवम्बर को ही है। दूसरा चरण मध्यप्रदेश के साथ 17 नवम्बर को। हालाँकि छठ के कारण 17 नवम्बर को मतदान की तारीखध आगे बढ़ाने की माँग की जा रही है लेकिन लगता है इस दिशा में चुनाव आयोग कोई विचार नहीं कर रहा है। राजस्थान में मतदान की तारीखध 23 नवम्बर से बढ़ाकर 25 नवम्बर कर दी गई है। उधर राजस्थान में सूची भले ही जारी नहीं हो सकी हो, लेकिन कांग्रेस में ज्यादातर नाम क्लियर होने की सूचनाओं ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और युवा नेता सचिन पायलट को बहुत हद तक एक कर दिया है। शुक्रवार को हुई सभाओं और रैलियों में गहलोत और पायलट के सुर काफी मिले– जुले सुनाई दिए। हो सकता है पार्टी आलाकमान ने समझाया होगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा ये सब कुछ बाद में देख लिया जाएगा, पहले मिलकर चुनाव लड़ने और जीतने की जरूरत है। ये हो गया तो सब कुछ हो जाएगा। पिछले दो साल से जो बात दोनों नेता समझने को तैयार नहीं थे, शायद अब समझ गए होंगे। बयानों से तो ऐसा ही प्रतीत होता है। वैसे भी राजनीति में दोस्ती और दुश्मनी दोनों ही कभी स्थाई नहीं होती। गहलोत और पायलट दोनों ही यह बात अच्छी तरह जानते भी हैं और समझते भी हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा से आए लोगों को कांग्रेस ने जी खोलकर टिकट दिए हैं। सफल कितने होंगे, यह परिणाम आने पर पता चल सकेगा। बहरहाल कांग्रेस ने पहले बाँटे कुछ टिकट बदले भी हैं। पहली सूची में एनपी प्रजापति का टिकट काट कर पार्टी ने चौंका दिया था लेकिन अब उन्हीं प्रजापति को टिकट दे दिया गाया है। छत्तीसगढ़ के चुनाव मैदान में अब तक कांग्रेस जरूर बेखघैफ दिखाई दे रही है, लेकिन मध्यप्रदेश और राजस्थान में मुकघबला काँटे का लग रहा है। इन दोनों ही राज्यों में अभी कोई यह कह सकने की स्थिति में नहीं है कि आखघ्रि जीतेगा कौन? कारण सीधा सा है कि मप्र और राजस्थान में भाजपा ने अपने स्थापित दोनों ही चेहरों को भावी मुख्यमंत्री के रूप में प्रचारित नहीं किया है। कांग्रेस में जरूर स्थिति साफ है, लेकिन मैदान कितना साफ है, यह अभी से नहीं कहा जा सकता। शायद इसलिए कि मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की बजाय राजस्थान के चुनाव बाद में हैं। छत्तीसगढ़ में तो पहला चरण 7 नवम्बर को ही है। दूसरा चरण मध्यप्रदेश के साथ 17 नवम्बर को। हालाँकि छठ के कारण 17 नवम्बर को मतदान की तारीखध आगे बढ़ाने की माँग की जा रही है लेकिन लगता है इस दिशा में चुनाव आयोग कोई विचार नहीं कर रहा है। राजस्थान में मतदान की तारीखध 23 नवम्बर से बढ़ाकर 25 नवम्बर कर दी गई है। उधर राजस्थान में सूची भले ही जारी नहीं हो सकी हो, लेकिन कांग्रेस में ज्यादातर नाम क्लियर होने की सूचनाओं ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और युवा नेता सचिन पायलट को बहुत हद तक एक कर दिया है। शुक्रवार को हुई सभाओं और रैलियों में गहलोत और पायलट के सुर काफी मिले– जुले सुनाई दिए। हो सकता है पार्टी आलाकमान ने समझाया होगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा ये सब कुछ बाद में देख लिया जाएगा, पहले मिलकर चुनाव लड़ने और जीतने की जरूरत है। ये हो गया तो सब कुछ हो जाएगा। पिछले दो साल से जो बात दोनों नेता समझने को तैयार नहीं थे, शायद अब समझ गए होंगे। बयानों से तो ऐसा ही प्रतीत होता है। वैसे भी राजनीति में दोस्ती और दुश्मनी दोनों ही कभी स्थाई नहीं होती। गहलोत और पायलट दोनों ही यह बात अच्छी तरह जानते भी हैं और समझते भी हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा से आए लोगों को कांग्रेस ने जी खोलकर टिकट दिए हैं। सफल कितने होंगे, यह परिणाम आने पर पता चल सकेगा। बहरहाल कांग्रेस ने पहले बाँटे कुछ टिकट बदले भी हैं। पहली सूची में एनपी प्रजापति का टिकट काट कर पार्टी ने चौंका दिया था लेकिन अब उन्हीं प्रजापति को टिकट दे दिया गाया है। छत्तीसगढ़ के चुनाव मैदान में अब तक कांग्रेस जरूर बेखघैफ दिखाई दे रही है, लेकिन मध्यप्रदेश और राजस्थान में मुकघबला काँटे का लग रहा है।

विदेश की घटनाओं पर देश में राजनीति क्यों गरमाए?

कांग्रेस की आत्मघाती–गोल करने की प्रवृत्ति जानी–पहचानी है। सबसे ताजा मामला यह है कि इजराइल–हमास संघर्ष पर कांग्रेस कार्यसमिति के प्रस्ताव में जहां फिलिस्तीनियों के अधिकारों का तो उल्लेख किया गया, वहीं हमास के आतंकी हमले का जिक्र करना वो रहस्यपूर्ण तरीके से भूल गए। भाजपा ने तुरंत इसे लपका और कांग्रेस पर आतंक की पैरोकार होने का आरोप लगाया। इसके बाद कांग्रेस को स्पष्टीकरण देने पर मजबूर होना पड़ा कि वह हमास के द्वारा निर्दोष इजराइलियों पर हमले की स्पष्ट शब्दों में निंदा करती है। लेकिन सवाल उठता है कि वैश्विक आतंकवाद के मामले घरेलू राजनीति को कैसे प्रभावित करते हैं? आतंकवादी घटनाओं पर भारत के राजनीतिक दल ऐतिहासिक रूप से एकस्वर में ही बोलते रहे हैं। लेकिन भाजपा की धुर–राष्ट्रवादी राजनीति ने जमीनी नियमों को बदला है। 2019 के चुनाव–प्रचार के दौरान बालाकोट सर्जिकल–स्ट्राइक का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था– 'घर में घुसकर मारा!' उन्होंने पाकिस्तान–प्रायोजित आतंकवाद से लड़ाई को चुनाव–प्रचार का मुख्य मुद्दा बनाया। 26ध्11 के मुम्बई हमलों के बाद डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार ने जैसा सावधानीपूर्ण रवैया अपनाया था, उसकी तुलना में यह जवाबी–स्ट्राइक बहुत भिन्न थी। पिछले साल गुजरात में हुए चुनावों के लिए प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा था, कांग्रेस और उस जैसी पार्टियों से सावधान रहें, जो बड़े आतंकी हमलों पर इसलिए चुप्पी साधे रहती हैं, ताकि अपने वोटबैंक को आहत न कर बैठें। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के इस अपुष्ट दावे– कि 2008 के बाटला हाउस एनकाउंटर के दौरान इंडियन मुजाहिदीन के आतंकवादियों की लाशें देख सोनिया गांधी रो पड़ी थीं– को आधार बनाकर कहा गया कि आतंक से संघर्ष के बजाय कांग्रेस अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करती है। यूपीए के कार्यकाल में हुई आतंकी वारदातों को हाईलाइट करते हुए कांग्रेस को बैकफुट पर आने पर मजबूर कर दिया गया। जबकि यह कांग्रेस–नीत सरकार ही थी, जिसने टाडा और यूएपीए जैसे आतंकरोधी कानून बनाए थे। इन कठोर कानूनों के तहत न केवल आतंकवाद के आरोपियों, बल्कि किसानों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और पत्रकारों को भी गिरफ्तार किया गया है। जब कांग्रेस नेताओं ने 2016 में उड़ी हमले के बाद हुई सर्जिकल स्ट्राइक्स को 'खून की दलाली' कहकर प्रश्नांकित किया और बालाकोट ऑपरेशन की वास्तविकता पर संदेह जताया तो उसने खुद को भाजपा के बिछाए जाल में उलझा लिया था। उस पर फौज की बहादुरी पर सवाल उठाने के इल्जाम लगे। लेकिन आतंकवाद पर की जाने वाली राजनीति तब कुरूप शक्ल अख्तियार कर लेती है, जब वह वैश्विक इस्लामिक आतंकवाद और स्थानीय धार्मिक–समूहों के बीच एक लिंक की तलाश करने लगती है। भारतीय मुस्लिम फिलिस्तीन के प्रति सहानुभूति जता सकते हैं, लेकिन इजराइल पर हमास के हमलों पर या जैश के आतंकियों और तालिबानियों के लिए उनसे सामूहिक अपराध–बोध का परिचय देने की अपेक्षा क्यों की जाए? वोटबैंक राजनीति के इस ध्रुवीकृत चरित्र के कारण ही विदेश में हुए हमले पर घरेलू राजनीति गरमाने लगती है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और मोबाइल पर इंस्टेंट मैसेजिंग टूल्स के चलते भी अनेक खतरनाक रीयल–टाइम नैरेटिव निर्मित होते हैं, जिनका इस्तेमाल लोगों को बांटने वाले औजारों की तरह किया जाता है। किसी आतंकी वारदात के बाद दक्षिणपंथी इंटरनेट–योद्धा मुस्लिमों को बदनाम करने वाला भड़काऊ कंटेंट फैलाने लगते हैं। फैक्ट–चेकिंग वेबसाइट बूम की रिपोर्ट बताती है कि अनेक भारतीय ट्विटर यूजर्स ने फिलिस्तीनियों को अमानवीय ठहराने के लिए गलत सूचनाओं और फर्जी वीडियो के माध्यम से इस्लामोफोबिया का प्रचार किया। पाकिस्तान के मामले में तो इंटरनेट–योद्धा प्रोपगंडा के खेल में बच निकल सकते हैं, क्योंकि पाकिस्तान–प्रायोजित सीमापार आतंकवाद पर देश में व्यापक सर्वसम्मति है,।

कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में भारी पड़ेगी अखिलेश की नाराजगी

अजय कुमार

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने 'इंडिया' गठबंधन की परतें उधेड़ कर रख दी हैं। जिस तरह से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच मनमुटाव बढ़ता जा रहा था, उसको देखते हुए अखिलेश यादव का कांग्रेस और उसके नेताओं पर हमलावर होना स्वाभाविक है। यदि कांग्रेस आलाकमान गठबंधन की महत्ता को समझते हुए अपने नेताओं को इस बात के लिए रोकता कि वह सपा के खिलाफ गलत बयानबाजी नहीं करें तो इस तरह के हालात पैदा नहीं होते। पहले उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय समाजवादी पार्टी के खिलाफ उलटी–सीधी बयानबाजी कर रहे थे, अब मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और उसके सीएम प्रत्याशी कलमनाथ का मीडिया से यह कहना कि छोड़िये 'अखिलेश–वखिलेश' काफी शर्मनाक है। अखिलेश यादव एक बड़ी पार्टी के अध्यक्ष हैं और उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। अखिलेश के बारे में अशोभनीय भाषा बोला जाना पूरे उत्तर प्रदेश का अपमान है। कांग्रेस और कमलनाथ जैसे नेताओं को यह बात समझनी चाहिए। वर्ना इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और अन्य दलों के बीच की दूरियां बढ़ती ही जायेंगी। कांग्रेस को यह बात हमेशा ध्यान में रखनी होगी कि यदि वह मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी की हैसियत पर सवाल उठा सकते हैं तो कल उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की औकात भी लोग पूछेंगे। कांग्रेस का यहां एक मात्र सांसद और दो विधायक हैं। यूपी में कांग्रेस का गिरता वोट प्रतिशत भी किसी से छिपा नहीं है। कांग्रेस को इस बात का अध्ययन करना चाहिए कि वह यूपी में सपा के बिना 'शून्य' है। कांग्रेस की नेत्री प्रियंका वाड्रा के यूपी की फूलपुर या अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही है, यहां कांग्रेस नेत्री के लिए तब तक जीत की राह आसान नहीं हो सकती है जब तक कि उसे सपा का साथ नहीं मिलेगा। खैर, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक विधायक वाली समाजवादी पार्टी इस बार के मध्य प्रदेश विधान सभा चुनाव में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होने के नाते करीब एक दर्जन सीटों पर गंभीरता के साथ अपनी दावेदारी पेश कर रही थी। वह उन सीटों पर

अखिलेश के बारे में अशोभनीय भाषा बोला जाना पूरे उत्तर प्रदेश का अपमान है। कांग्रेस और कमलनाथ जैसे नेताओं को यह बात समझनी चाहिए। वर्ना इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और अन्य दलों के बीच की दूरियां बढ़ती ही जायेंगी। कांग्रेस को यह बात हमेशा ध्यान में रखनी होगी कि यदि वह मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी की हैसियत पर सवाल उठा सकते हैं तो कल उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की औकात भी लोग पूछेंगे। कांग्रेस का यहां एक मात्र सांसद और दो विधायक हैं। यूपी में कांग्रेस का गिरता वोट प्रतिशत भी किसी से छिपा नहीं है। कांग्रेस को इस बात का अध्ययन करना चाहिए कि वह यूपी में सपा के बिना 'शून्य' है। कांग्रेस की नेत्री प्रियंका वाड्रा के यूपी की फूलपुर या अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही है,

चुनाव लड़ना चाहती थी, जहां पिछले विधान सभा चुनाव में उसके प्रत्याशी को कांग्रेस उम्मीदवार से अधिक वोट मिले थे। लेकिन कांग्रेस ने अपने गठबंधन सहयोगी को ठेंगा दिखा दिया। गठबंधन के तहत एक भी सीट नहीं मिलने पर अखिलेश यादव का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया, जो स्वाभाविक भी था। समाजवादी पार्टी के साथ ही नहीं, कांग्रेस अपने गठबंधन के सभी सहयोगी दलों के साथ ऐसा ही व्यवहार कर रही है। वह गठबंधन सहयोगियों को कुछ देने की बजाय, उनकी पीठ पर सवार होकर अपना चुनावी रिकॉर्ड ठीक करने का सपना पाले हुए है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सही कहा कि अगर उन्हें पता होता कि विपक्ष का गठबंधन विधानसभा स्तर के चुनाव के लिए नहीं है तो उनकी पार्टी मध्य प्रदेश में गठबंधन के लिए बातचीत ही नहीं करती। उन्होंने कहा कि अगर सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए तालमेल की बात होगी तो उस पर ही विचार किया जाएगा। लेकिन यहां सवाल यह है कि अखिलेश इतने अपरिपक्व नेता कैसे हो सकते हैं कि उन्हें यही नहीं पता था कि इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए बना है। (जैसा कि कांग्रेसी कह रहे हैं)। अखिलेश का कहना है कि अगर यह मुझे पहले दिन पता होता कि विधानसभा स्तर पर 'इंडिया' का कोई गठबंधन नहीं है तो हमारी पार्टी के लोग उस बैठक में नहीं जाते, न हम सूची देते और न ही कांग्रेस के लोगों का फोन उठाते। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि अगर उन्होंने (कांग्रेस वालों ने) यही बात कही है कि गठबंधन नहीं है तो हम स्वीकार करते हैं। जैसा व्यवहार समाजवादी पार्टी के साथ होगा, वैसा ही व्यवहार उन्हें यहां (उत्तर प्रदेश) पर देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश स्तर पर कोई गठबंधन नहीं है तो नहीं है। हमने इसे स्वीकार कर लिया, इसीलिए हमने पार्टी के टिकट घोषित कर दिए। इसमें हमने क्या गलत किया है? सपा अध्यक्ष यहीं नहीं रुके, उन्होंने किसी का नाम लिये बिना यहां तक कहा कि मैं कांग्रेस के बड़े नेताओं से अपील करूंगा कि अपने छोटे नेताओं से इस तरह के बयान न दिलवाएं। बहरहाल, समाजवादी पार्टी मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में अब तक कुल 31 सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े कर चुकी है। उसके यह प्रत्याशी यदि ठीकठाक प्रदर्शन करते हैं तो कांग्रेस को उन सीटों पर बड़ा नुकसान हो सकता है जो वह पिछली बार कम अंतर से जीती थी। वहीं उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से किसी एक पर भी कांग्रेस का खाता खुलना मुश्किल हो जायेगा। ऐसे में कांग्रेस स्वतः दिल्ली की सत्ता से दूर चली जायेगी क्योंकि उत्तर प्रदेश में आज की तारीख में मोदी और बीजेपी से मुकाबला करने की हैसियत समाजवादी पार्टी के अलावा किसी में नहीं है। अखिलेश के बारे में अशोभनीय भाषा बोला जाना पूरे उत्तर प्रदेश का अपमान है। कांग्रेस और कमलनाथ जैसे नेताओं को यह बात समझनी चाहिए। वर्ना इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और अन्य दलों के बीच की दूरियां बढ़ती ही जायेंगी। कांग्रेस को यह बात हमेशा ध्यान में रखनी होगी कि यदि वह मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी की हैसियत पर सवाल उठा सकते हैं तो कल उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की औकात भी लोग पूछेंगे। कांग्रेस का यहां एक मात्र सांसद और दो विधायक हैं। यूपी में कांग्रेस का गिरता वोट प्रतिशत भी किसी से छिपा नहीं है। कांग्रेस को इस बात का अध्ययन करना चाहिए कि वह यूपी में सपा के बिना 'शून्य' है। कांग्रेस की नेत्री प्रियंका वाड्रा के यूपी की फूलपुर या अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही है, यहां कांग्रेस नेत्री के लिए तब तक जीत की राह आसान नहीं हो सकती है जब तक कि उसे सपा का साथ नहीं मिलेगा। खैर, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक विधायक वाली समाजवादी पार्टी इस बार के मध्य प्रदेश विधान सभा चुनाव में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होने के नाते करीब एक दर्जन सीटों पर गंभीरता के साथ अपनी दावेदारी पेश कर रही थी। वह उन सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती थी, जहां पिछले विधान सभा चुनाव में उसके प्रत्याशी को कांग्रेस उम्मीदवार से अधिक वोट मिले थे। लेकिन कांग्रेस ने अपने गठबंधन सहयोगी को ठेंगा दिखा दिया। गठबंधन के तहत एक भी सीट नहीं मिलने पर अखिलेश यादव का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया, जो स्वाभाविक भी था। समाजवादी पार्टी के साथ ही नहीं, कांग्रेस अपने गठबंधन के सभी सहयोगी दलों के साथ ऐसा ही व्यवहार कर रही है। वह गठबंधन सहयोगियों को कुछ देने की बजाय, उनकी पीठ पर सवार होकर अपना चुनावी रिकॉर्ड ठीक करने का सपना पाले हुए है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सही कहा कि अगर उन्हें पता होता कि विपक्ष का गठबंधन विधानसभा स्तर के चुनाव के लिए नहीं है तो उनकी पार्टी मध्य प्रदेश में गठबंधन के लिए बातचीत ही नहीं करती। उन्होंने कहा कि अगर सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए तालमेल की बात होगी तो उस पर ही विचार किया जाएगा। लेकिन यहां सवाल यह है कि अखिलेश इतने अपरिपक्व नेता कैसे हो सकते हैं कि उन्हें यही नहीं पता था कि इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए बना है। (जैसा कि कांग्रेसी कह रहे हैं)। अखिलेश का कहना है कि अगर यह मुझे पहले दिन पता होता कि विधानसभा स्तर पर 'इंडिया' का कोई गठबंधन नहीं है तो हमारी पार्टी के लोग उस बैठक में नहीं जाते, न हम सूची देते और न ही कांग्रेस के लोगों का फोन उठाते।

इजराइल-अरब संघर्ष का अलग कोण दिखातीं फिल्में

फोकस कंट्री में इजराइल की दस फिल्में भी प्रदर्शित की गईं। मामला पिछले साल तब बिगड़ता दिखा, जब भारत ने इजराइली फिल्मकार नादाव लापिड को अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह की जूरी का अध्यक्ष नियुक्त किया और उन्होंने समारोह में ही खुलेआम फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर सख्त आपत्ति जता दी थी। उन्होंने इसे प्रोपगंडा फिल्म बताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता खंड में शामिल करने पर आश्चर्य प्रकट किया था। इजराइल सरकार ने तुरंत बयान जारी कर नादाव लापिड की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया था। इसके बावजूद भारत की कई फिल्म कंपनियों ने इजराइल का दौरा किया और फिल्मों के सहनिर्माण की संभावनाएं तलाशीं।

अजित राय

हमास और इजराइल के युद्ध के कारण मिस्र के अल गूना में होने वाला अरब देशों का सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह स्थगित हो गया है। अभी दो महीने पहले ही 16 अगस्त को भारत में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन ने अपने दूतावास में 'सलाम बॉलीवुड' नाम से एक बड़ा आयोजन किया था, जिसका उद्देश्य दोनों देशों में फिल्मों के सहनिर्माण को बढ़ावा देना था। इस समारोह में इजराइल और भारत की कई फिल्मी हस्तियों ने भाग लिया था। पांच साल पहले सिनेमा में दोनों देशों के बीच रिश्ते मजबूत करने के लिए भारत सरकार ने पहल की थी। भारत के 49वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह (2018) गोवा में इजराइली फिल्मकार डान वोलमैन को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया था। फोकस कंट्री में इजराइल की दस फिल्में भी प्रदर्शित की गईं। मामला पिछले साल तब बिगड़ता दिखा, जब भारत ने इजराइली फिल्मकार नादाव लापिड को अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह की जूरी का अध्यक्ष नियुक्त किया और उन्होंने समारोह में ही खुलेआम फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर सख्त आपत्ति जता दी थी। उन्होंने इसे प्रोपगंडा फिल्म बताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता खंड में शामिल करने पर आश्चर्य प्रकट किया था। इजराइल सरकार ने तुरंत बयान जारी कर नादाव लापिड की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया था। इसके बावजूद भारत की कई फिल्म कंपनियों ने इजराइल का दौरा किया और फिल्मों के सहनिर्माण की संभावनाएं तलाशीं। मुंबई में सिनेमा के आरंभिक दौर में सुलोचना, नादिरा, डेविड जैसे यहूदी कलाकारों का बड़ा योगदान रहा है। भारत की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' (1931) के लेखक जोसेफ डेविड भी यहूदी थे। उस जमाने में जब भारतीय परिवारों की औरतें फिल्मों में काम करने से हिचकती थीं और कई पुरुष कलाकारों को महिला पात्रों की भूमिकाएं निभाना पड़ती थीं, तब यहूदी परिवारों की महिलाओं ने फिल्मों में काम करने की साहसिक पहल की थी।

जब हिंदुजा बंधुओं ने साठ और सत्तर के दशक में तेल अवीव की बेनजूदा स्ट्रीट में बॉलीवुड फिल्मों के प्रदर्शन और वितरण के लिए दफ्तर खोला, मोहन छाबड़िया को मैनेजर बनाकर भेजा और राज कपूर की 'संगम' को रिलीज किया तो वहां हिंदी फिल्मों का नया बाजार बना। उस जमाने के कई फिल्मी सितारे इजराइल में दशकों तक लोकप्रिय रहे और उनकी फिल्मों ने बहुत बिजनेस किया। तब कई हिंदी फिल्में इजराइल के साथ ही मिस्र, लेबनान, जॉर्डन, मोरक्को, ट्यूनीशिया, फिलिस्तीन आदि में भी लगती थीं और अच्छी कमाई करती थीं। बाद में कई वजहों से इन देशों और बॉलीवुड का रिश्ता टूट–सा गया। कहा जाता है कि इसकी सबसे बड़ी वजह यह थी कि हिंदी फिल्मों से अरब सिनेमा का स्थानीय कारोबार चौपट होने लगा था। अभी भी यदि कोशिश की जाए तो अरब दुनिया में करीब बीस फीसदी बॉक्स ऑफिस कलेक्शन मिल सकता है। एक समय भारत में विदेशी मुद्रा की कमी थी। तब हिंदी सिनेमा ने विदेशी मुद्रा कमाकर देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दिया था। लेकिन राजनीतिक कारणों से भारत–इजराइल के बीच सिनेमाई भागीदारी ज्यादा नहीं हो सकी। होलोकॉस्ट पर दुनिया में हजारों फिल्में बनी हैं, लेकिन इजराइल–फिलिस्तीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर अरब देशों में बनी फिल्मों के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। घफिलिस्तीन के एलिया सुलेमान, लेबनान की नडाइन लबाकी, ट्यूनीशिया की कौथर बेन हनिया और मिस्र के मोहम्मद दियाब ने अरब सिनेमा की परिभाषा बदल दी है, क्योंकि इनकी फिल्मों के राजनीतिक संदेशों ने दुनिया का ध्यान खींचा है। फिलिस्तीन के सिनेमा के बारे में दुनिया का ध्यान तब गया जब 1996 में एलिया सुलेमान की फिल्म 'क्रॉनिकल ऑफ अ डिसअपीयरेंस' को वेनिस में पुरस्कार मिला और यह फिल्म अमेरिका में प्रदघर्शित हुई। यह लंबे विस्थापन के बाद घर लौटने की कहानी है। 72वें कान फिल्म समारोह (2019) में उनकी अगली फिल्म 'इट मस्ट बी हेवन' को स्पेशल मेंशन अवार्ड प्रदान किया गया। उन्होंने इस फिल्म में अपने शहर नाजरथ से पेरिस और न्यूयॉर्क तक का चक्कर लगाते हुए इस बात की खोज की है कि दुनिया में वह कौन–सी जगह है, जिसे हम अपना घर कह सकते हैं। मोहम्मद दियाब ने अपनी फिल्म 'अमीरा' में इजराइल की जेलों में बंद फिलिस्तीनी राजनीतिक कैदियों के स्पर्म की अवैध तस्करी को विषय बनाया है। कौथर बेन हनिया की फिल्म 'फोर डॉटर्स' आईएसआईएस के खिलाफ एक साहसिक डॉक्यूमेंट्री है, जो बताती है कि इस्लामिक स्टेट से सबसे ज्यादा नुकसान मुसलमानों, खासकर औरतों को हुआ है। अरब–जगत में निर्मित फिल्में बताती हैं कि युद्ध में तबाह लोगों के दु:खों का कोई देश, धर्म नहीं होता। उन्हें शांति की दरकार होती है। इन युद्धों की बड़ी कीमत औरतें–बच्चे चुकाते हैं। उनकी दुनिया शरणार्थी शिविरों में बदल जाती है। फोकस कंट्री में इजराइल की दस फिल्में भी प्रदर्शित की गईं। मामला पिछले साल तब बिगड़ता दिखा, जब भारत ने इजराइली फिल्मकार नादाव लापिड को अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह की जूरी का अध्यक्ष नियुक्त किया और उन्होंने समारोह में ही खुलेआम फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर सख्त आपत्ति जता दी थी। उन्होंने इसे प्रोपगंडा फिल्म बताते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता खंड में शामिल करने पर आश्चर्य प्रकट किया था। इजराइल सरकार ने तुरंत बयान जारी कर नादाव लापिड की टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया था। इसके बावजूद भारत की कई फिल्म कंपनियों ने इजराइल का दौरा किया और फिल्मों के सहनिर्माण की संभावनाएं तलाशीं। मुंबई में सिनेमा के आरंभिक दौर में सुलोचना, नादिरा, डेविड जैसे यहूदी कलाकारों का बड़ा योगदान रहा है। भारत की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' (1931) के लेखक जोसेफ डेविड भी यहूदी थे। उस जमाने में जब भारतीय परिवारों की औरतें फिल्मों में काम करने से हिचकती थीं और कई पुरुष कलाकारों को महिला पात्रों की भूमिकाएं निभाना पड़ती थीं, तब यहूदी परिवारों की महिलाओं ने फिल्मों में काम करने की साहसिक पहल की थी। जब हिंदुजा बंधुओं ने साठ और सत्तर के दशक में तेल अवीव की बेनजूदा स्ट्रीट में बॉलीवुड फिल्मों के प्रदर्शन और वितरण के लिए दफ्तर खोला, मोहन छाबड़िया को मैनेजर बनाकर भेजा और राज कपूर की 'संगम' को रिलीज किया तो वहां हिंदी फिल्मों का नया बाजार बना। उस जमाने के कई फिल्मी सितारे इजराइल में दशकों तक लोकप्रिय रहे और उनकी फिल्मों ने बहुत बिजनेस किया। तब कई हिंदी फिल्में इजराइल के साथ ही मिस्र, लेबनान, जॉर्डन, मोरक्को, ट्यूनीशिया, फिलिस्तीन आदि में भी लगती थीं और अच्छी कमाई करती थीं। बाद में कई वजहों से इन देशों और बॉलीवुड का रिश्ता टूट–सा गया। कहा जाता है कि इसकी सबसे बड़ी वजह यह थी कि हिंदी फिल्मों से अरब सिनेमा का स्थानीय कारोबार चौपट होने लगा था। अभी भी यदि कोशिश की जाए तो अरब दुनिया में करीब बीस फीसदी बॉक्स ऑफिस कलेक्शन मिल सकता है। एक समय भारत में विदेशी मुद्रा की कमी थी। तब हिंदी सिनेमा ने विदेशी मुद्रा कमाकर देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दिया था। लेकिन राजनीतिक कारणों से भारत–इजराइल के बीच सिनेमाई भागीदारी ज्यादा नहीं हो सकी। होलोकॉस्ट पर दुनिया में हजारों फिल्में बनी हैं, लेकिन इजराइल–फिलिस्तीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर अरब देशों में बनी फिल्मों के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। घफिलिस्तीन के एलिया सुलेमान, लेबनान की नडाइन लबाकी, ट्यूनीशिया की कौथर बेन हनिया और मिस्र के मोहम्मद दियाब ने अरब सिनेमा की परिभाषा बदल दी है, क्योंकि इनकी फिल्मों के राजनीतिक संदेशों ने दुनिया का ध्यान खींचा है। फिलिस्तीन के सिनेमा के बारे में दुनिया का ध्यान तब गया जब 1996 में एलिया सुलेमान की फिल्म 'क्रॉनिकल ऑफ अ डिसअपीयरेंस' को वेनिस में पुरस्कार मिला और यह फिल्म अमेरिका में प्रदघर्शित हुई। यह लंबे विस्थापन के बाद घर लौटने की कहानी है। 72वें कान फिल्म समारोह (2019) में उनकी अगली फिल्म 'इट मस्ट बी हेवन' को स्पेशल मेंशन अवार्ड प्रदान किया गया। उन्होंने इस फिल्म में अपने शहर नाजरथ से पेरिस और न्यूयॉर्क तक का चक्कर लगाते हुए इस बात की खोज की है कि दुनिया में वह कौन–सी जगह है, जिसे हम अपना घर कह सकते हैं।

संवेदनशीलता और सादगी की मिसाल हैं वहीदा रहमान

अतुल सिन्हा

जिंदगी के इस दौर में वहीदा जी के लिए आखिरकार वह खुशनुमा पल आया जब उन्हें दादा साहेब फाल्के लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। वहीदा जी 85 साल की हो चुकी हैं। अब भी वैसी ही संजीदा और सादगी से भरी हुई। चेहरे पर वही मुस्कराहट। आप ताज्जुब करेंगे कि इस उम्र में भी वहीदा जी अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दिखने वाली हैं। संजय लीला भंसाली अपनी सीरीज हीरामंडी में वहीदा रहमान को एक अहम किरदार में लाने वाले हैं। एक वक्त था जब वहीदा रहमान एक खूबसूरत सपने की तरह हर आंखों में बसती थीं। नए दौर में खूबसूरती की परिभाषा बेशक बदल गई हो, लेकिन 85 साल की वहीदा जी में जो सादगी और संजीदापन है वो आज भी उन्हें खास बना देता है। उन्हें देख कर, उनसे मिलकर ये एहसास ही नहीं होता कि वो उम्र के इस पड़ाव पर आ पहुंची हैं। अब भी वही ताजगी, वही तहजीब, सहमी सहमी सी आंखें लेकिन बातचीत में बेहद अपनापन। वहीदा जी बताती हैं कि वो आम तौर पर घर में ही रहती हैं, बाहर कम ही निकलती हैं, इंटरव्यू देना उन्हें अच्छा नहीं लगता लेकिन सिनेमा का जो लंबा दौर उन्होंने देखा है वो हर वक्त उनके साथ होता है... उनकी यादों में, उनकी बातों में। खासकर गुरूदत्त और देव आनंद के साथ बीते उनके वो पल जो उन्हें फिर से उसी दुनिया में ले जाते हैं। चाहे वो 'प्यासा' हो, 'कागज के फूल' हो, 'साहब, बीवी और गुलाम' हो, 'मुझे जीने दो', 'रेशमा और शेरा' और 'तीसरी कसम' हो या फिर उनकी सबसे बेहतरीन और पसंदीदा फिल्म 'गाइड'। अपनी फिल्मों की बात करते हुए वो 'खीमोशी' का नाम लेना भी नहीं भूलतीं। वो खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इतनी सारी क्लासिक फिल्मों में काम करने का मौका मिला। कुछ साल पहले जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में वहीदा जी का आना एक उपलब्धि की तरह था। वैसे तो साहित्य के इस बड़े मेले में बॉलीवुड की तमाम शख्सियतें हर बार सबकी निगाह खींचती हैं। उस दौरान वहीदा रहमान को देखने सुनने वालों ने जिस खामोशी से उन्हें सुना और खुद को उनके बहुत करीब पाया.. उससे साबित होता है कि बदले हुए सिनेमा, ग्लैमर की बदली हुई परिभाषा और इस नए दौर में भी वहीदा रहमान ताजे हवा के एहसास और सुकून की तरह हैं। आम तौर पर वहीदा रहमान सार्वजनिक समारोहों में जाने से बचती रही हैं। लेकिन जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में जाने के बाद उन्हें जो स्नेह मिला उसके बाद वहीदा जी ने खुद को फिर से सक्रिय किया, कई टीवी शो में नजर आईं। जिस तरह रेखा एक बार फिर सक्रिय हुईं, वहीदा जी ने भी नए दौर के साथ कुछ चुनिंदा कार्यक्रमों में शिरकत करना शुरु किया। उस दौरान वहीदा जी से हुई एक संक्षिप्त बातचीत और अपने सत्र में वहीदा जी ने जिस तरह अपनी बात रखी उसके कुछ हिस्से हू ब हू आपको सुनाता हूं। फिल्मों में काम करने जब वो आईं और गुरूदत्त ने उनका नाम वहीदा रहमान से बदलकर कुछ और रखना चाहा तब का वाकया वो कुछ यूं बयान करती हैं। 'जब मैं नई–नई थी और चेन्नई से बॉम्बे बुलाया गया मुझे... गुरूदत्त जी ने बुलाया एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करने के लिए तो उन्होंने स्टिल फोटोग्राफ्स वगैरह लिए और कहा.. हां ठीक है आपका फोटोजेनिक फेस है.. तो हम कांन्ट्रेक्ट साइन करेंगे, मेरी वालिदा मेरे साथ थीं.. गुरूदत्त जी ने कहा कि हम आपका नाम चेंज करना चाहते हैं क्योंकि बहुत लंबा है और अच्छा भी नहीं है। जब उन्होंने कहा कि, अच्छा नहीं है तो मुझे बहुत बुरा लगा कि ये क्या बात है कि मेरे मां बाप ने मेरा नाम रखा तो आप कौन होते हैं ये बताने वाले कि अच्छा नहीं है। मैंने साफ कह दिया कि नहीं साहब मैं अपना नाम नहीं चेंज करूंगी। तो कहने लगे कि बहुत लंबा है। मैंने कहा.. देखिए.. स्क्रीन पर आएगा वहीदा रहमान लेकिन काम के दौरान या आपस में आप सिर्फ वहीदा बुलाइए.. तो कहने लगे कि ये ट्रेंड है इंडस्ट्री का.. कि लोग अपना नाम चेंज करते हैं। उन्होंने मिसाल दीदृ दिलीप कुमार, मधुबाला, मीना कुमारी और कई लोग.. लेकिन उस वक्त मेरे अंदर अकड़ बहुत थी.. तो मैंने कहा कि मेरे मां बाप ने मुझे ये नाम दिया, मैं नहीं चेंज करूंगी.. फिर वो कहने लगे कि इसमें ग्लैमर नहीं है, ये नहीं है.. वो नहीं है.. लेकिन मैंने कह दिया कि आप चाहे जो कह लीजिए, मैं अपना नाम नहीं चेंज करूंगी। तो राज खोसला थे.. सीआईडी के डायरेक्टर.. वो गुरूदत्त जी के बहुत अच्छे दोस्त थे.. वो पंजाबी थे और जरा जोशीले थे...और गुरूदत्त जी बड़े खामोश टाइप के थे... तो कहने लगे कि कोई नया आर्टिस्ट आता है तो हमारी शर्तों पर काम करता है।

मड़ियाहूं ने मेंहदीगंज को हराकर ट्राफी पर जमाया कब्जा

प्रति वर्ष के भांति इस वर्ष भी रयां में कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सुजानगंज (जौनपुर) क्षेत्र के रयां (मोहरियांव) ग्राम सभा में जय बजरंग दल कबड्डी दल द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता का रविवार देर शाम समापन हुआ जहां पर कई जिलों की टीमों ने प्रतिभाग किया।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि अजय शंकर दुबे द्वारा प्रथम विजेता मड़ियाहूं टीम को 11111रूपये तथा द्वितीय स्थान पर मेहंदी गंज को 5555 एवं तृतीय स्थान पर प्रतापगढ़ को 3333 नगद धनराशि का पुरस्कार देते हुए कहां खेल से इंसान स्वस्थ एवं निरोगित रहता है खेल को खेल की ही भावना से खेलना चाहिए खेल में किसी प्रकार की कटुता नहीं आनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि राम पूर्व जिला पंचायत सदस्य राम इकबाल यादव व ग्राम प्रधान ऊंचगांव संतोष सिंह रहे. प्रतियोगिता के संयोजक दुर्गेश द्विवेदी ,मणि शंकर यादव, दुर्गेश पांडे, संतोष यादव, राजेंद्र प्रजापति क्षेम पंचायत सदस्य, उमाशंकर यादव, विकास सिंह, नीरज सिंह, विनय प्रकाश यादव, आशुतोष दुबे, सूरज दुबे, प्रमोद पांडे सहित कार्यकर्ता कन्हैया, सोनू, अभिनेश, सुमित, संगमजीत, युगांक, सागर, आयुष, प्रमोद, संतोष, संदीप आदि लोगों की भूमिका उल्लेखनीय रही।

भारत एक्सप्रेस से बोले परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। नवरात्रि की अष्टमी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या राम नगरी में नारी शक्ति के प्रतीक महिला चालक परिचालक मिशन महिला सारथी बस को हरी झंडी दिखाई , महिलाए सभी क्षेत्रों में आगे लेकिन बस संचालन में होता था संकोच आज हुआ दूर , महिलाओं की सुरक्षित यात्रा में सहायक होगा , उनका रोजगार सृजन होगा , सीएम ने महिलाओं का सम्मान बढ़ाया है , हमलोग सौभाग्यशाली की ऐसे समय में जन्म लिया की राम मंदिर निर्माण हो रहा , पीएम नरेंद्र मोदी के हाथो जनवरी 24 में होगा प्राण प्रतिष्ठा जनता को होगा समर्पित , देश को यूपी से जोड़ने के लिए सरकार का बड़ा कदम 2025 तक होगी 7000 हजार नई बसे , अभी 2300 नई बसों का हो रहा संचालन यात्रा के लिए संकल्पित है।

धार्मिक शिव शक्तिसंस्था हनुमान मंदिर में धूम धाम से मनाया गया दुर्गापूजा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि के 9 दिन धार्मिक शिव शक्ति संस्थान हनुमान मंदिर रुहट्टा के प्रांगण में विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया। संस्था अध्यक्ष पवन कुमार जायसवाल उपाध्यक्ष विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक पत्रकार महासचिव नंदेश अग्रहरि कोषाध्यक्ष आकाश मौर्य ब्यास्थापक सूरज गुप्ता व अन्य पदाधिकारी द्वारा द्वारा पूरे 9 दिन मां की विधिवत्त पूजा अर्चना किया गया साथ ही नवमी की दिन हवन और नौ कन्याओं को भोजन कराकर पूजा का समापन किया गया 9 दिन का पूजन बबलू विश्वकर्मा और उनकी पत्नी द्वारा संपन्न कराया गया ।इस दौरान संस्था के जुड़े छोटे बच्चों द्वारा भी कार्यक्रम में सहयोग किया गया जिसमे अंश मौर्य यश मौर्य देवेंश श्रीवास्तव सूर्यायश श्रीवास्तव देव मौर्य आकाश मौर्य दीपक गुप्ता व संरक्षक लोगो का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। वही रुहट्टा स्थित बाल संस्था चौरा माता मंदिर पर भी मां की प्रतिमा स्थापित कर विधि विधान से पूजा अर्चन किया गया।

पान मसाला फैक्टरी में सीजीएसटी का छापा

लखनऊ (संवाददाता)। नादरगंज की एक पान मसाला फैक्टरी में शनिवार दोपहर सीजीएसटी की टीम ने छापा मारा।

नदियों एवम जल स्रोतों पर सतही कार्य करने की आवश्यकता : राम आशीष जी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गंगा समग्र के गोमती भाग को लेकर माधव संघ आश्रम पर आवश्यक बैठक किया गया। बैठक का शुभारंभ मुख्य अतिथि रामाशीष जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, गंगा समग्र द्वारा माँ गंगा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर बैठक को रामाशीष जी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, गंगा समग्र ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा हम सभी को नदियों एवम अन्य जल स्रोतों की अविरलता और निर्मलता के लिए सतही तौर पर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने ने कहा कि गंगा समग्र के ध्येय वाक्य अविरल गंगा निर्मल गंगा तभी सार्थक हो सकती हैं जब हम सभी जनजागरण, रचनात्मक एवम संगठन के तीन सूत्र पर एक साथ काम करे। इस कार्य के लिए आगामी 04 नवंबर को गंगा महोत्सव पर विभिन्न कार्य योजना को बताते हुए उचित दिशा निर्देश भी दिया। इस गंगा महोत्सव पर डॉ संजीव मौर्य, पंकज जी, डॉ अश्विनी गुप्ता, और डॉ आशीष श्रीवास्तव को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, मोटरसाइकिल रैली का शिवम प्रजापति, निबंध प्रतियोगिता के लिए अवधेश गिरी, डॉ अखिलेश पांडेय को वाद विवाद एवम पोस्टर प्रतियोगिता एवम सरोवर पर जागरण और गोष्ठी कार्यक्रम अतुल सिंह, अवनीश जी दीपक श्रीवास्तव पत्रकार और भृगुनाथ पाठक को संयोजक बनाया गया। इस अवसर पर प्रान्त संगठन मंत्री अंबरीश जी, डॉ अनिल सिंह, विवेक पाठक, विकाश पाठक, कृष्णा पाठक आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रान्त सह संयोजक डॉ अभिषेक श्रीवास्तव ने किया।

सीएम योगी बोले, देश–दुनिया करेगी दिव्य–भव्य अयोध्या के दर्शन, 500 सालों बाद मिला है हमें गर्व करने का मौका

लखनऊ (संवाददाता)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए डबल इंजन की सरकार ने 30 हजार करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट को मंजूर किया है। इनमें अधिकांश परियोजनाएं अब पूर्ण होने की तरफ अग्रसर हैं। हमारा प्रयास है कि दीपोत्सव के आयोजन तक ज्यादातर प्रोजेक्ट पूरे हो जाएं, जो बचेंगे, उन्हें 31 दिसंबर तक पूरा करते हुए दिव्य–भव्य अयोध्या हम लोग देश व दुनिया के श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराएंगे। दीपोत्सव के लिए पूरी अयोध्या पहले से तैयार है। साथ ही जनवरी 2024 के उस भव्य आयोजन के लिए भी अपने आप को तैयार करेगी, जिसका इंतजार 500 वर्ष से अयोध्या, प्रदेश वासियों व सनातन धर्मावलंबियों को है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अयोध्या में पत्रकारों से वार्ता के दौरान यह बातें कहीं। सीएम ने कहा कि अयोध्या में पुनः आने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस दौरान शासन से जुड़े विकास कार्यों की गहन समीक्षा हुई है। सीएम ने सभी को शारदीय नवरात्रि व विजयादशमी की शुभकामना दी। सीएम ने कहा कि अयोध्या, प्रदेश व देश के लिए वह गौरवशाली क्षण आने वाला है, जब जनवरी 2024 में यशस्वी प्रधानमंत्री जी के द्वारा 500 वर्षों के लंबे इंतजार को समाप्त करते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम को एक बार फिर से उनके भव्य मंदिर में विराजमान कराने का दिव्य आयोजन होगा। देश–दुनिया एक नई अयोध्या, भव्य अयोध्या का दर्शन करेगी। इसकी तैयारी हमारे स्तर पर प्रारंभ की गई है। इसका पहला रिहर्सल दीपोत्सव पर देखने को मिलेगा। प्रदेश सरकार की ओर से पिछले छह वर्षों से अनवरत दीपोत्सव का आयोजन कर अयोध्या को वैश्विक मंच पर पुनर्स्थापित करने का सफलतम प्रयास किया गया। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के प्रेरणा व मार्गदर्शन में जो कार्य चल रहे हैं। इन विकास कार्यों के माध्यम से अयोध्या की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखते हुए भौतिक विकास की दृष्टि से भी दुनिया की सबसे सुंदरतम नगरी के रूप में स्थापित करना।

फाइलों में वेंडिंग जोन, सड़क पर सजीं दुकानें

गोंडा (संवाददाता)। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने जिले के कार्यभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले वेंडिग व पार्किंग जोन बनाकर शहर को हजरतगंज बनाने का दावा किया था। लेकिन डीएम का प्लान फाइलों में कैद होकर ही रह गया। शहर के महत्वपूर्ण मार्गों पर जाम की समस्या से आम लोग परेशान हैं। जिला महिला अस्पताल पूरी तरह से दुकानदारों के साथ ही रेहड़ी, ठेला व खुमचे वालों से घिरा हुआ है। अस्पताल में प्रवेश के लिए गेट के सामने ही लगे रेहड़ी–ठेलों को हटाने के लिए तीमारदारों को उनका मनुहार करना पड़ता है। अस्पताल चौराहे के पास ही पुलिस चौकी है। मगर इन पर कोई अंकुश नहीं है। कब्जेदारों के आगे प्रशासन ने घुटने टेक दिए हैं और अस्पताल के एक गेट पर मरीजों के लिए ताला लगा दिया गया है।

वजीरगंज और नवाबगंज में बनेंगे छह स्मृति द्वार

गोंडा (संवाददाता)। जिले के वजीरगंज और नवाबगंज ब्लॉक क्षेत्र में देश महान क्रांतिकारी अमर शहीद राजेंद्रनाथ लाहिड़ी समेत छह विभूतियों के नाम पर स्मृति द्वार का निर्माण कराएगा। इससे जहां इन क्षेत्रों विकास होगा वहीं सुंदरता भी बढ़ेगी। इसके लिए ग्रामीण अभियंत्रण विभाग ने कार्ययोजना तैयार की है। जल्द ही स्मृति द्वार बनाने का कार्य शुरू कराया जाएगा। गोंडा जिले के वजीरगंज और नवाबगंज ब्लॉक के कई गांव अयोध्या की सीमा से सटे हुए हैं। अयोध्या में तेजी से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उसकी किरण अब धीरे–धीरे गोंडा जिले में पहुंचने लगी है। इसी के तहत दर्जीकुआं चौराहा से मनकापुर रोड पर अमर शहीद राजेंद्रनाथ लाहिड़ी स्मृति द्वार बनाया जाएगा।

राम मंदिर की प्रगति देख सीएम योगी बोले अद्भुत, अधिकारियों से कहा– विश्व स्तर की बने रामनगरी

अयोध्या/लखनऊ (संवाददाता)। सीएम योगी आदित्यनाथ दो दिन के दौर में अयोध्या पहुंचे। अयोध्या पहुंचने के बाद वह निर्माणाधीन राम मंदिर गए। वह काम कर रहे इंजीनियरों से मुलाकात की। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हनुमंतलला व रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। दर्शन के बाद उन्होंने परिसर का भ्रमण किया। निर्माणाधीन राममंदिर की प्रगति देखकर वे खुश दिखे। उन्होंने इंजीनियरों व ट्रस्ट के पदाधिकारियों से कहा कि अद्भुत, भव्य। आप लोगों ने अच्छा काम किया है। सीएम ने प्राण प्रतिष्ठा से पहले परिसर में पड़े मलबे को हटाने व अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त करने को कहा। सीएम योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को अयोध्या पहुंचे। दोपहर 3रू43 पर उनका हेलीकॉप्टर रामकथा पार्क स्थित हेलीपैड पर उतरा। यहां से सीएम का काफिला सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचा। सीएम ने हनुमंतलला के दर पर माथा टेका, आरती उतारी। हनुमानगढ़ी के रमेश दास, महंत बलराम दास व राजूदास, ने सीएम का अभिनंदन किया। सीएम ने संतों से दीपोत्सव व प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर संक्षिप्त चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन दोनों उत्सवों को भव्य रूप देने में आपकी सहभागिता सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होगी। संतों ने उन्हें आश्वस्त भी किया। यहां से सीएम का काफिला राम जन्मभूमि परिसर पहुंचा। सीएम ने रामलला की आरती–पूजा की उसके बाद मंदिर निर्माण के लिए चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने पूछा कि मंदिर निर्माण का कितना काम हो गया है, तो इंजीनियरों ने उन्हें प्रगति से अवगत कराया। मंदिर की भव्यता देख सीएम खुश हुए और इंजीनियरों व कारीगरों की सराहना की। उन्होंने निर्देश दिया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले परिसर में पड़े मलबे को हटा दिया जाए। बड़ी संख्या में पत्थर पड़े हैं, इन्हें अन्यत्र कहीं रखा जाए। परिसर में जहां–जहां गड्ढ़े हैं उन्हें तत्काल पाट दिया जाए। परिसर में निर्माणाधीन सड़कों के काम को तेज करने को कहा। कहा कि प्राण प्रतिष्ठा में रामजन्मभूमि परिसर को इस तरह सजाया जाए कि हर अतिथि निहाल हो उठे। निरीक्षण के दौरान मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ० अनिल मिश्र, गोपालजी आदि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आयुक्त सभागार में अयोध्या विजन के विकास कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जो अयोध्या के राम पथ में प्रथम फेज (नयाघाट से उदया चौराहा) के कार्य चल रहे हैं, इसे गुणवत्ता के साथ फुटपाथ एवं स्ट्रीट लाइट सहित अन्य सजावटी कार्यों को दीपोत्सव के पूर्व पूरा करें, जिससे दीपोत्सव के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को कोई समस्या न हो।

सांड़ से टकराकर पलटा ई-रिक्शा, नाबालिग चालक की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। डालीगंज में सांड़ से टकराकर ई–रिक्शा पलटने से नाबालिग चालक की मौत हो गई। हादसे में ई–रिक्शा सवार चार महिलाएं मामूली रूप से घायल हो गईं। चिनहट चौराहा का रहने वाला विकास (15) ई–रिक्शा चलाता था। उसके भाई आकाश के मुताबिक शुक्रवार सुबह विकास ई–रिक्शा लेकर घर से निकला था। दोपहर में वह ई–रिक्शा में सवारियां बैठाकर डालीगंज से गुजर रहा था। तभी एक सांड़ सामने आ गया और ई–रिक्शा उससे टकराकर पलट गया। हादसे में चालक विकास ई–रिक्शे के नीचे दब गया। आसपास के लोगों ने विकास को रिक्शे के नीचे से निकाला। उसे गंभीर चोटें आईं थीं। ई–रिक्शे में सवार चार महिलाएं भी मामूली रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने विकास को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। विकास के पास से मिले कागजात से पुलिस ने उसकी पहचान कर परिजनों को सूचना दी।

मायावती का उत्तराधिकारी, दूसरे राज्यों के बाद आकाश को यूपी में उतारने की तैयारी

लखनऊ (संवाददाता)। दूसरे राज्यों में तराशने के बाद बसपा के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर आकाश आनंद को यूपी में भी उतारा जाएगा। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश को पार्टी ने अन्य राज्यों में अहम जिम्मेदारी दे रखी है और आकाश वहां तगड़ी मेहनत भी कर रहे हैं। ऐसे में बसपाई थिंक टैंक का मानना है कि लोकसभा चुनाव 2024 में उप्र में भी आकाश का भरपूर इस्तेमाल किया जाए। इससे पहले यूपी में उनके विभिन्न कार्यक्रम कराने पर मंथन हो रहा है। इस साल मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने हैं। बसपा ने इन राज्यों में अपनी तैयारियां तेज की हैं। उधर लोकसभा चुनाव भी अगले साल होने वाला है जिसके लिए अभी से मशक्कत शुरू हो गई है। बसपा के यूपी विधानसभा चुनाव में रहे खराब प्रदर्शन के कारण लोकसभा चुनाव में उसकी चुनौती और बढ़ गई है। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा को दस सीटें मिलीं थीं पर बाद में उसका प्रदर्शन अन्य चुनावों में यूपी में गिरता चला गया है। वैसे भी पिछले चुनाव में बसपा सपा और रालोद के साथ गठबंधन में लड़ी थी। इस बार अभी तक बसपा ने किसी भी गठबंधन में शामिल होने से इंकार किया है। उधर बाकी राज्यों में इस साल हो रहे चुनावों में आकाश को अहम जिम्मेदारी दी गई है। वह इन राज्यों में लगातार रैलियां कर रहे हैं। राजस्थान में उनके जनसंपर्क से बसपा आलाकमान खुश है। ऐसे में यह पूरी तैयारी की जा रही है कि लोकसभा चुनाव में आकाश को यूपी में भी मजबूती से उतारा जाए। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 23 अगस्त को लखनऊ में बैठक बुलाई।

दोहरीकरण के कारण विलंब से चलीं ट्रेनें

गोंडा (संवाददाता)। बुढ़वल से सीतापुर रेलखंड पर ट्रैक के दोहरीकरण का कार्य पूरा हो जाने के बाद भी गोंडा से गोरखपुर व लखनऊ के बीच आने–जाने वाली 24 ट्रेनों का संचालन नहीं हो पर रहा था। अब रेल प्रशासन ने ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया है। मगर दोहरीकरण के कारण आठ ट्रेनें विलंब से चलीं। जिससे यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी है। आधा दर्जन से अधिक ट्रेनें विलंब से चली। जिसमें पुरबिया एक्सप्रेस तीन घंटा, गोरखपुर हमसफर दो घंटा, गोरखधाम एक्सप्रेस तीन घंटा, बाघ एक्सप्रेस एक घंटा, शहीद एक्सप्रेस तीन घंटा, अमरनाथ एक्सप्रेस तीन घंटा, गोरखपुर स्पेशल एक्सप्रेस तीन घंटा व चंपारण हमसफर एक्सप्रेस 10 घंटा विलंब से गोंडा रेलवे स्टेशन पहुंची। इससे पहले गोंडा से गुजरने वाली 24 ट्रेनों का संचालन बंद था।

बेसिक शिक्षकों के पारस्परिक तबादले, अभी भी नहीं सुलझ सका मुद्दा,

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के हजारों शिक्षकों का जिले के अंदर और बाहर परस्पर तबादले का इंतजार खत्म नहीं हो रहा है। इधर, लोकसभा चुनाव की तैयारी भी शुरू हो गई है। शिक्षकों को डर है कि इस चुनाव की वजह से उनका तबादला फंस सकता है। उत्तर प्रदेश शिक्षक महासंघ के निदेशालय पर धरने के बाद अब 25 अक्तूबर को प्रस्तावित वार्ता में इसका मुद्दा उठेगा। विभाग में एक से दूसरे जिले में और जिले के अंदर परस्पर तबादले की प्रक्रिया कई महीने से चल रही है। विभाग ने पहले इसकी प्रक्रिया पूरी करने के लिए कई बार तिथि बढ़ाई और जब प्रक्रिया पूरी हो गई तो यह कहा कि तबादले शासनादेश के अनुसार गर्मी व जाड़े की छुट्टियों में किए जाएंगे। इससे नाराज शिक्षकों ने कई बार बेसिक शिक्षा निदेशालय पर धरना–प्रदर्शन भी किया। अब शिक्षकों को यह डर सताने लगा है कि चुनाव ड्यूटी की तैयारी शुरू हो गई है। ऐसे में अगर दिसंबर में उनका तबादला होता है तो ड्यूटी के डाटा में भी बदलाव करना होगा। वहीं, अगर चुनाव आचार संहिता लग गई तो जाड़े की जगह गर्मी की छुट्टियों तक उनका मामला टल जाएगा। इसे लेकर वे काफी परेशान हैं। इसी तरह फरवरी से चल रही पदोन्नति की प्रक्रिया भी नहीं पूरी हो पाई है। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष निर्भय सिंह ने कहा कि विभाग को इन सारी समस्याओं को देखते हुए।

आयकर आयुक्त के नाम पर 1.16 लाख की ठगी

लखनऊ (संवाददाता)। हजरतगंज स्थित मिठाई की प्रतिष्ठित दुकान की मालकिन को आयकर आयुक्त के नाम पर अर्दब में लेकर एक लाख 16 हजार रुपये ठग लिए गए। पीड़िता ने हजरतगंज कोतवाली में धोखाधड़ी व आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। नवल किशोर रोड स्थित मिठाई की दुकान की मालकिन के मुताबिक 19 अक्तूबर को दुकान के लैंडलाइन नंबर पर कॉल आई। फोन करने वाले शख्स ने कर्मचारी को बताया कि वह फूड इंस्पेक्टर नीरज उपाध्याय है। उसने अपना मोबाइल नंबर देकर मालिक से बात करने को कहा। मालकिन ने उस नंबर पर संपर्क किया तो नीरज ने कहा कि सितंबर महीने में आयकर आयुक्त वैशाली परमार आपकी दुकान पर आई थीं। इस दौरान कर्मचारियों ने उनसे अभद्रता की थी।

राष्ट्रवाद और सनातन के जरिये हिंदुत्व को धार देने में जुटा संघ, विहिप बनाएगी भगवा माहौल

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ लोकसभा चुनाव से पहले प्रदेश में धार्मिक कार्यक्रमों और सनातन से जुड़े मुद्दों के जरिये हिंदुत्व के मुद्दे को धार देने में जुटा है। इस क्रम में लखनऊ में 26 से 31 अक्तूबर तक जाणता राजा महानाट्य का आयोजन किया जाएगा। सितंबर में हुई आरएसएस के सह सर कार्यवाह अरुण कुमार की मौजूदगी में सरकार, भाजपा और संघ की समन्वय बैठक में लोकसभा चुनाव तक अनुषांगिक संगठनों के जरिये राष्ट्रवाद के मुद्दों को आगे बढ़ाने की रणनीति तय हुई थी। इसी रणनीति के तहत विहिप और बजरंगदल की शौर्य जागरण यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा के जरिये बजरंगदल जनता को बताने का प्रयास कर रहा है कि संघ और भाजपा के कारण ही अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनने का सपना साकार हुआ है। यात्रा के जरिये जनवरी में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान देश भर में दीपोत्सव जैसा माहौल बनाने की तैयारी है। सभी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन घरों पर दीपक जलाने के लिए उत्साहित किया जा रहा है। यात्रा के जरिये विहिप जिला स्तर पर उन पराक्रमी योद्धाओं को याद कर रहा है जिनका जिक्र इतिहास में तो नहीं हैं, लेकिन उनका सनातन की रक्षा और देश की आजादी में योगदान रहा है। लखनऊ में ऊदा देवी, बिजली पासी जैसे योद्धा हैं। ऐसे योद्धाओं को याद कर उनके समाज को साधने की भी तैयारी है। संघ, विहिप और बजरंगदल हिंदुओं के बीच जाकर जाति और समुदाय से ऊपर उठकर हिंदू के रूप में संगठित रहने और जाति के आधार पर नहीं बंटने की पैरवी भी कर रहा है। इसका उद्देश्य एक ओर हिंदुओं को संगठित करना है. वहीं दूसरी ओर जातीय जनगणना के मुद्दे पर विपक्ष की ओर से की जा रही पिछड़ों, अगड़ों को बांटने की कोशिश को नाकाम करना है। जाणता राजा महानाट्य यूं तो दिव्य प्रेम सेवा मिशन के बैनर तले किया जा रहा है।

खौफजदा बीडीओ ने झंझरी ब्लॉक में बिताई रात

गोंडा (संवाददाता)। पुलिस पर जबरन घर खाली करवाने का आरोप लगाते हुए खौफजदा वजीरगंज बीडीओ शिवमणि ने बीते शुक्रवार की रात झंझरी ब्लॉक में गुजारी। पीड़ित बीडीओ का आरोप है कि एक पूर्व ब्लॉक प्रमुख के इशारे पर उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है।

केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए

कार्यपालकों और अधिकारियों ने गरबा नृत्य और डांडिया नृत्य में हिस्सा लिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बुराई पर अच्छाई की जीत के पावन पर्व नवरात्रि और दशहरा के अवसर पर केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। सभी शाखाओं, क्षेत्रीय कार्यालयों और अंचल कार्यालय को सजाया गया और मां देवी की पूजा अर्चना कर मां का आशिर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सभी कार्यपालकों और अधिकारियों ने गरबा नृत्य और डांडिया नृत्य में हिस्सा लिया। संजय पंजीयारा, नेहा यादव और सुष्मिता सिंह की एकल गाने की प्रस्तुति ने सभी का दिल जीत लिया।

इस अवसर पर अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक आलोक कुमार अग्रवाल, उपमहाप्रबंधक संजय कुमार और सहायक महाप्रबंधक संजय कुमार त्रिवेदी, मनीष कुमार, अमित कुमार अस्थाना और वेदप्रकाश जी ने सभी कार्यक्रम में शामिल होकर बड़े उत्साह से भाग लिया और सभी बैंक कर्मचारियों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं।उक्त जानकारी केनरा बैंक अंचल कार्यालय में तुलन अनुभाग के वरिष्ठ प्रबंधक सर्व मित्र भट्ट ने दी।

फिल्म मंडली के कलाकार पहुचे लखनऊ

रामलीला के बदल रहे स्वरूप पर फिल्म के कलाकार करेंगे बातचीत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दशहरे के मौके पर रामलीला के थीम पर बनी फिल्म श्मंडलीश की टीम लखनऊ में फिल्म और रामलीला के किरदारों पर परिचर्चा करने पहुंची। इस वार्ता की शुरुआत श्री दिनेश शर्मा मेंबर ऑफ राज्यसभा ने फिल्म का टेलर लांच कर की ।

पैडमैन और श्केसरीश जैसी बड़ी फिल्मों में अभिनय कर चुके राकेश चतुर्वेदी श्ओमश के निर्देशन में बनी फिल्म श्मंडलीश नवरात्र के बीच चर्चा में है। हर वर्ष छोटे शहरों में होने वाली रामलीला के दौरान आयोजकों द्वारा अपने वित्तीय लाभ के लिए कराए जाने वाले अश्लील नृत्य जैसे विषय पर फिल्म की पटकथा आधारित है।

आगामी 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में यह रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में अभिनेता रजनीश दुग्गल, अभिषेक दुहान, आंचल मुंजाल, और बृजेंद्र काला मुख्य भूमिका में है।

रेल्टिक पिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को प्रशांत कुमार गुप्ता, गीतिका गुप्ता और नीटू सबरवाल ने निर्माण किया है।

फिल्म में विनीत कुमार, कंवलजीत सिंह, अलका अमीन, अश्वथ भट्ट, सहर्ष शुक्ला और नीरज सूद जैसे कलाकार भी रामलीला के मंच के पीछे के परदे को उठाते नजर आएंगे।

फिल्म के विषय को लेकर निर्माता प्रशांत बताते हैं कि,ष फिल्म की कहानी कुछ ऐसे कलाकारों के इर्द–गिर्द घूमती है जो रामलीला मंडली में काम करते हैं। धर्म ग्रन्थ रामायण के किरदारों को कलाकार मंडली अपनी कला से समाज के बीच प्रदर्शित करती है। फिल्म के विषयवस्तु में रामायण में आस्था, समाज के शक्तिशाली लोगों के बीच संघर्ष और दर्शकों के आकर्षण को बनाने के लिए अश्लील नृत्यों का समावेश व्यक्तिगत लाभ के करने पर केंद्रित है।

जहां रामलीला में परदे के पीछे का शोषण भी है तो दूसरी ओर फिल्म श्मंडलीश शक्ति और विश्वास को दर्शकों के सामने लेकर आती है।

बच्चों ने किया रावण वध लीला का मंचन

शहर और पिहानी के विद्यालय में बच्चों ने रामलीला व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी

हरदोई (संवाददाता)। शहर और पिहानी के विद्यालय में बच्चों ने रामलीला व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती दी। अभिभावक व विद्यालय के बच्चों ने उनका तालियों से हौसला बढ़ाया। शहर के महर्षि विद्या मंदिर हायर सेकेंड्री स्कूल में बच्चों ने शनिवार को दशहरा महोत्सव मनाया। जिसमें प्राथमिक स्तर के बच्चों ने मेरे घर राम आए हैं... गीत पर नृत्य किया। इसमें प्राची, अक्षरा, मनोगना, गौरी, शाताक्षी, प्रतिभा,कशिश, अराध्या ने भाग लिया। आकर्षक परिधान प्रतियोगिता में आस्था, अभिराम, मिट्ठी, प्राची, वैष्णवी,दीपक ने प्रतिभाग किया। जूनियर के बच्चों ने रामलीला का मंचन किया। जिसमें सार्थक मिश्र,भाव्या गुप्ता,श्वास्तिक सिंह, नैतिक मिश्र, आजाद सिंह,अभय सिंह, आर्यन पाल,आर्यन सिंह, अनंत पंत ने विभिन्न भूमिकाएं निभाई। प्रधानाचार्य चक्रेश त्रिपाठी, सहायक निदेशक आलोक कुमार श्रीवास्तव सहित विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा। कस्बा के पिहानी पब्लिक स्कूल में विजयदशमी मनाया गया। बच्चों ने डांडिया नृत्य और रावण वध की लीला का मंचन किया। मयंक ने हिंदी और सजल ने अंग्रेजी में विजयदशमी के महत्व पर प्रकाश डाला। डांडिया नृत्य में अंशिका, मानवी, दर्शना, वेदिका, वान्या, राव्या, करना, जसप्रीत, अलफिशा, मीरा, अदिति, काव्या, अभय, मिहिर, प्रज्ञा, लक्ष्य, आस्था, आराध्या, अंशिका और रजीना ने भाग लिया। रावण वध की लीला में लव, जेनिथ, आराध्या,अयांश ने विभिन्न भूमिका निभाई। प्रबंधक अवधेश रस्तोगी एवं प्रधानाचार्य अनिल कुमार मौजूद रहे। संचालन हमजा ने किया।

कलक्ट्रेट कर्मियों ने मांगी १० प्रतिशत प्रोन्नति

हरदोई (संवाददाता)। कलक्ट्रेट कर्मचारियों ने नायब तहसीलदार पद पर 10 प्रतिशत प्रोन्नति मांगी है। उप्र मिनिस्ट्रीयल कलक्ट्रेट कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों–कर्मचारियों ने शनिवार को इस मांग के साथ ही 22 सूत्री मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपा। कर्मचारियों ने कलक्ट्रेट परिसर में धरना–प्रदर्शन किया। पदाधिकारियों ने कहा कि मांगों को माना न गया तो, 228 नवंबर को राजस्व परिषद में धरना दिया जाएगा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संघ के बैनर तले कलक्ट्रेट कर्मचारी एकत्र हुए, मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। संघ के जिलाध्यक्ष सतीश चंद्र वर्मा व महामंत्री मो. परवेज ने कहा कि कलक्ट्रेट का नाम मिनी या जनपद सचिवालय घोषित किया जाए।

विजयदशमी के दिन दंडाधिकारी की भूमिका में रहेंगे सीएम योगी, सुलझाएंगे संतों के आपसी विवाद

गोरखपुर (संवाददाता)। विजयदशमी के दिन गोरखनाथ मंदिर में संतों की अदालत लगेगी और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ बतौर नाथ पंथ के मुखिया के रूप में दंडाधिकारी की भूमिका में होंगे। नाथपंथ की परंपरा के अनुसार हर वर्ष विजयदशमी के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में पीठाधीश्वर की ओर से संतों के विवादों का निस्तारण किया जाता है। गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ नाथपंथ की शीर्ष संस्था अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा के अध्यक्ष भी हैं। इसी पद पर वह दंडाधिकारी की भूमिका में होते हैं। गोरखनाथ मंदिर में विजयदशमी को पात्र पूजा का कार्यक्रम होता है। इसमें गोरक्षपीठाधीश्वर संतों के आपसी विवाद सुलझाते हैं। विवादों के निस्तारण से पहले संतगण पात्र देव के रूप में योगी आदित्यनाथ का पूजन करते हैं। पात्र देवता के सामने सुनवाई में कोई भी झूठ नहीं बोलता। पात्र पूजा संत समाज में अनुशासन के लिए भी जाना जाता है। विजयदशमी के दिन मंगलवार सायंकाल गोरखनाथ मंदिर से गोरक्षपीठाधीश्वर की शोभायात्रा निकाली जाएगी। पीठाधीश्वर गुरु गोरक्षनाथ का आशीर्वाद लेकर अपने वाहन में सवार होंगे। तुरही, नगाड़े व बैंड–बाजे की धुन के बीच गोरक्षपीठाधीश्वर की शोभायात्रा मानसरोवर मंदिर पहुंचेगी। यहां पहुंचकर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरक्षपीठ से जुड़े मानसरोवर मंदिर पर देवाधिदेव महादेव की पूजा करेंगे। इसके बाद उनकी शोभायात्रा मानसरोवर रामलीला मैदान पहुंचेगी। वहां प्रभु श्रीराम का राजतिलक करेंगे। इसके साथ ही प्रभु माता जानकी, लक्ष्मण व हनुमानजी का पूजन कर आरती भी उतारी जाएगी। यही नहीं विजयदशमी के दिन गोरखनाथ मंदिर में होने वाले पारंपरिक तिलकोत्सव कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद भी देंगे। गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ नाथपंथ की शीर्ष संस्था अखिल भारतवर्षीय अवधूत भेष बारह पंथ योगी महासभा के अध्यक्ष भी हैं। इसी पद पर वह दंडाधिकारी की भूमिका में होते हैं। गोरखनाथ मंदिर में विजयदशमी को पात्र पूजा का कार्यक्रम होता है। इसमें गोरक्षपीठाधीश्वर संतों के आपसी विवाद सुलझाते हैं। विवादों के निस्तारण से पहले संतगण पात्र देव के रूप में योगी आदित्यनाथ का पूजन करते हैं। पात्र देवता के सामने सुनवाई में कोई भी झूठ नहीं बोलता। पात्र पूजा संत समाज में अनुशासन के लिए भी जाना जाता है।

एस आर एम मोटर्स में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के करकमलों से 51 नए ई वी वाहन ग्राहकों को प्रदान किए गए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। टाटा अधिकृत डीलर एस आर एम मोटर्स से प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के करकमलों से 51 नए ई वी वाहन ग्राहकों को प्रदान किए गए। इस अवसर पर माननीय पाठक जी ने कहा की केंद्र और राज्य सरकार ई वी वाहनों को हमेशा प्रोत्साहित करती आई है और भविष्य में भी इस ई वी नीति को प्रोत्साहन देते रहने का प्रयास करती रहेगी। यह सरकार की नीतियों का ही नतीजा है कि आज यह इलेक्ट्रिक वाहन बड़ी संख्या में सड़क पर दिखाई देने लगे है। लोग उत्साहित होकर आज इलेक्ट्रिक वाहनों की तरफ अपना रुझान करने लगे हैं।

इस अवसर पर माननीय पाठक जी ने टाटा मोटर्स को भी धन्यवाद ज्ञाषित किया। पाठक जी ने कहा कि यह टाटा मोटर्स की दूरदर्शिता का प्रमाण है कि टाटा मोटर्स ने सबसे पहले भारत में टाटा की इलेक्ट्रिक वाहन लाकर न ही सिर्फ पर्यावरण को बेहतर करने की पहल की साथ ही आम आदमी को सस्ते सुगम वाहन उपलब्ध कराए। टाटा मोटर्स सदा से ही राष्ट्र और राष्ट्रीयता में विश्वास रखता आया है। माननीय पाठक जी ने एस आर एम परिवार को भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की। एस आर एम मोटर्स के एम डी श्री पियूष अग्रवाल ने इस अवसर पर सरकार को धन्यवाद प्रेषित किया । श्री अग्रवाल के कहा की यह सरकार की ही नीति है जिसने आम आदमी को परिवहन के टैक्स और अतिरिक्त सब्सिडी प्रदान कर बड़ी राहत दी। इसी का नतीजा है कि आज पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में और ईंधन को बचाने में सहयोगी यह तकनीकी दिन बा दिन नए आयाम छू रही है।

टाटा मोटर्स के आर एम आशुतोष तिवारी ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण आज सबसे बड़ी चुनौती है,सम्पूर्ण विश्व के लिए जिसके लिए भारतवर्ष में केंद्र सरकार हर स्तर पर बेहतर विकल्प पर प्रयासरत है। उत्तर प्रदेश सरकार को इस अवसर पर सब्सिडी और टैक्स की राहत प्रदान करने के लिए टाटा के रजा जीशान ने ज्ञापित किया। भविष्य में भी इस योजना का लाभ आम जनमानस को मिलता रहे इसके लिए माननीय पाठक जी पाठक जी–को एक प्रत्यावेदन भी सौंपा। इस अवसर पर माननीय पाठक जी के हाथों से अपने नए वाहन की चाभी पाकर ग्राहकों केश्चेहरें खिल उठे। इस अवसर पर टाटा मोटर्स के तमाम अधिकारी गण मौजूद रहे।

चौक स्टेडियम में हुआ दूसरी ओपन स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता का शुभारम्भ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दूसरी ओपन स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता का शुभारम्भ चौक स्टेडियम में हुआ ।

फिफ्थ डैन कोरिया ब्लैक बेल्ट मदन मिश्रा शुभारम्भ ने किया। कानपुर, झांसी, बारेली, बस्ती, देवरिया, लखनऊ समेत कई जिलों के लगभग 250 खिलाडियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में लखनऊ कानपुर रोड स्थित अवध कॉलेजिएट के बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया जिसमे अवध कॉलेजिएट को प्रथम स्थान बरेली को दूसरा तथा झांसी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ ।

प्रतियोगिता में मेडल वितरण डा. ग्रैंड मास्टर जिम्मी आर. जग्तयानी (फाउंडर एण्ड फादर ऑफ ताइक्वांडो इन इंडिया) जी के कर कमलों द्वारा हुआ। श्री जिम्मी ने खिलाडियों को आगामी नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता जो की दिसंबर माह में कानपुर में होनी है के लिए प्रोत्साहित किया। अवध कॉलेजिएट की निर्देशिका जतिंदर वालिया ने बताया कि बच्चो के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवम् कड़ी मेहनत ने अपना रंग दिखाया व बच्चों को 12 गोल्ड , 6 सिल्वर, 5 ब्रॉन्ज समेत कुल 23 पदक प्राप्त हुए ।

विद्यालय प्रबंधक तंत्र उनकी जितनी प्रशंसा करे कम है। गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है। सक्षम, सत्यम पाण्डे,शिवाकांत,कौस्तुभ पाण्डे, उन्नति, पलक, अरुन यादव, उज्ज्वल यादव को 'गोल्ड'मेडल प्राप्त हुआ।

विद्यालय के प्रबंधक सर्वजीत सिंह ने विजेता खिलाड़ियों तथा उनके कोच घनश्याम शर्मा एवम उनके माता पिता को बधाई दी एवम् खिलाडियों का उत्साह बढ़ाया ।

एस आर ग्रुप लखनऊ में पीटीसी इंडस्ट्रीज की कैंपस ड्राइव में ३७ चयनित

यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बख्शी तालाब स्थित एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में आज पीटीसी इंडस्ट्रीज द्वारा मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रो के लिए केंपस ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें पीटीसी इंडस्ट्री अपनी उन्नाव की विशिष्ट शाखा के लिया चयन हेतु आई थी जो की डिफेंस कॉरिडोर के लिए कार्य कर रही है कई चरणबद्ध चयन प्रक्रिया से छात्रों का चयन किया इस चयन प्रक्रिया में रोहित (प्रमुख मानव संसाधन मैनेजर) ने बताया कि पीटीसी इंडस्ट्री भारत में टाइटेनियम संवर्धन एवं फाउंड्री मोल्डिंग से संबंधित कार्य कर रही है जिसमें विश्व की बहुत सी कंपनी उनको इस कार्य हेतु प्रोजेक्ट्स उपलब्ध कराती है एचआर मैनेजर अजहर एवं पवन वर्मा ने पीटीसी इंडस्ट्री द्वारा किए जा रहे कार्य जैसे एशिया की सबसे बड़ी सीएनसी मशीन, जिसमें 8.5 एक्स तक किसी 3क प्रतिलिपि को किया जा सकता है के बारे में बताएं। इस चयन प्रक्रिया में 50 छात्रों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 15 छात्र चयनित किए गए इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन श्री पवन सिंह चौहान (एमएलसी) ने चयनित छात्रों से कहा की जीवन में सौभाग्य एक बार आपको दस्तक देती है यदि आप इस आवास को सुन लेते हैं तो आपका भविष्य उज्जवल होता है पीटीसी इंडस्ट्री की यह अवसर आपके लिए इस दस्तक जैसा ही है इसलिए बड़ी मेहनत से ज्वाइन करके अपने गुरुजनो ,माता–पिता एवं अपने इंजीनियरिंग कॉलेज का नाम रोशन करें ,तथा आए हुए सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

नेपाल के बाद गोरखपुर में भूकंप के तेज झटके, कुछ सेकेंड तक कांपी धरतीय 5.2 मापी तीव्रता

गोरखपुर (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। गोरखपुर में रविवार की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह करीब 7रू25 पर भूकंप के झटके महसूस हुए। इस दौरान घरों में मौजूद लोग बाहर निकल आए। जानकारी के अनुसार, नेपाल के भरतपुर में सुबह 7रू25 पर भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता 5.2 मापी गई। इसके बाद भूकंप के झटके गोरखपुर में भी महसूस किए गए। जिला आपदा प्रबंध प्राधिकरण के विशेषज्ञ गौतम गुप्ता ने बताया कि इससे जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार–बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों–ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है।

फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा। कैसे मापा जाता है भूकंप की तिव्रता और क्या है मापने का पैमाना? भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है।

२० घंटे के बाद सही हुआ पैथोलॉजी का सीपीयू

हरदोई (संवाददाता)। मेडिकल कॉलेज के अधीन जिला अस्पताल की पैथोलॉजी का सीपीयू 20 घंटे की मरम्मत के बाद सही हो पाया। इसके बाद रविवार को जांच शुरु हो गईं। 470 मरीजों की सैंपलिंग की गई। पैथोलॉजी में अचानक सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सीपीयू) में तकनीकी कमी आने के कारण ओपीडी के करीब 350 मरीजों की खून की जांच नहीं हो पाई थी। प्राचार्य डॉ. आर्य देश दीपक ने सीपीयू को बनने के लिए लखनऊ भिजवाया था। शुक्रवार देर रात सीपीयू बनकर आ पाया। इससे शनिवार को खून की जांच की सुविधाएं शुरु हो गईं और रिपोर्ट प्राप्त होने लगीं। इसके बाद रविवार को जांच शुरु हो गईं। 470 मरीजों की सैंपलिंग की गई। पैथोलॉजी में अचानक सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (सीपीयू) में तकनीकी कमी आने के कारण ओपीडी के करीब 350 मरीजों की खून की जांच नहीं हो पाई थी। प्राचार्य डॉ. आर्य देश दीपक ने सीपीयू को बनने के लिए लखनऊ भिजवाया था।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।